༄༅།།བོད་ཀྱི་རིང་བསྲེན་དཔེ་ཆོག་ལྷེ་གན།།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W21237	***ImageGroup:***	I1CZ972
LCCN:	n/a	***ISBN:***	n/a

Title:	བཀའ་བརྒྱུད་གསེར་ཕྲེང bka' brgyud gser phreng
Author:	n/a
Descriptor:	scanned from microfilm copy of an dbu med manuscript
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	n/a
Publisher:	n/a
Date:	n/a
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at M/S Satluj Infotech Images, E-45, Sector 27 Noida, District Gautam Buddha Nagar, U.P. 201301 via New Delhi, IN for the Tibetan Buddhist Resource Center, 150 17th st., New York, NY 10011, U.S.A 2006.

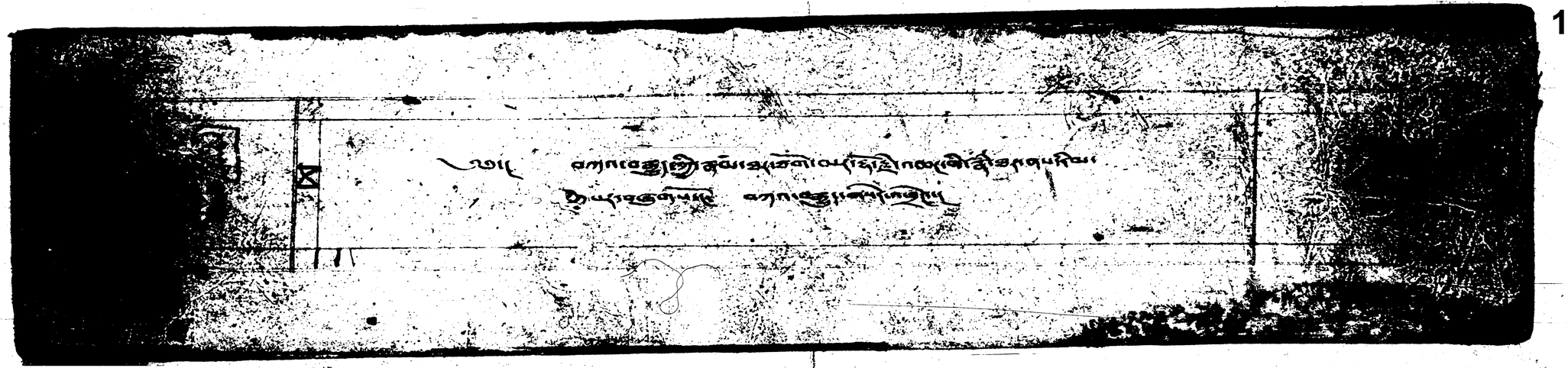

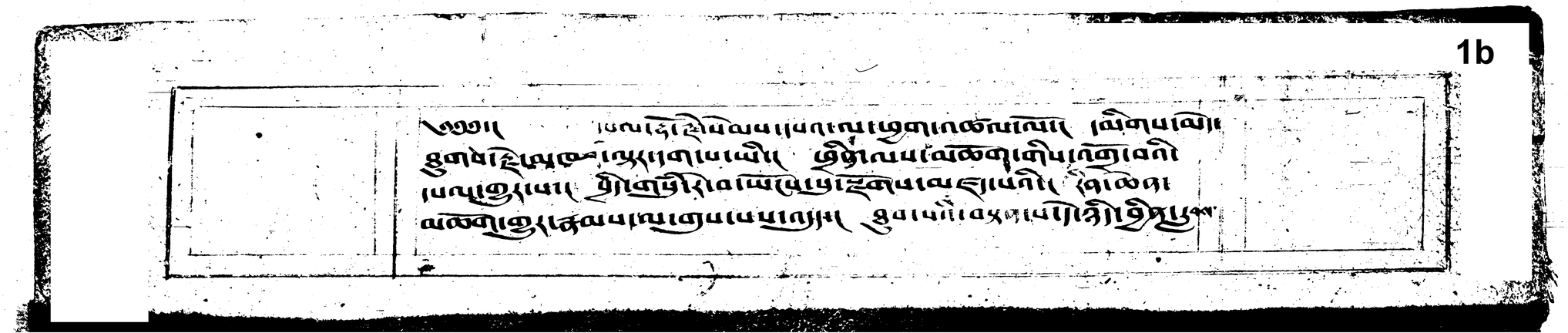

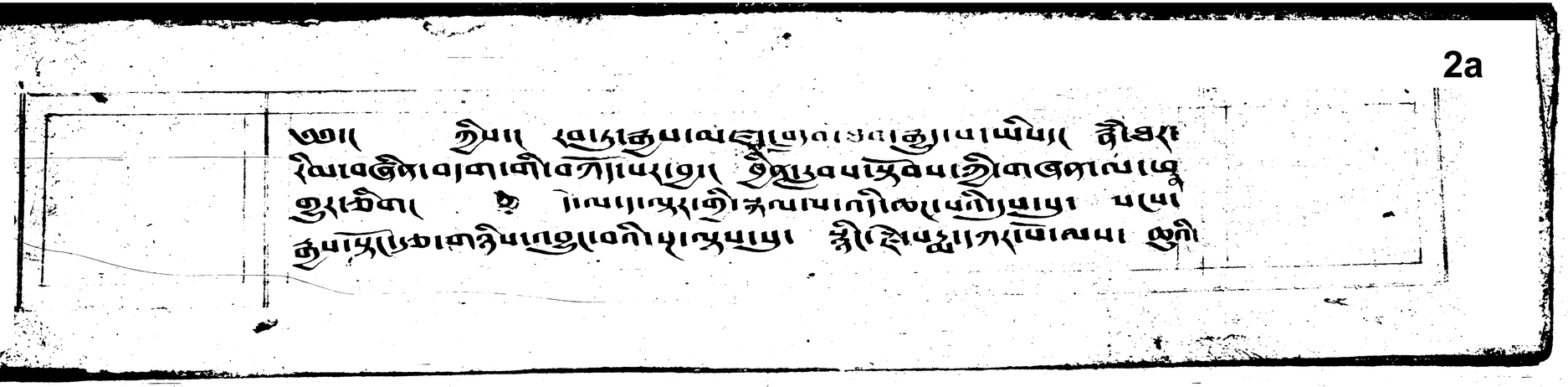

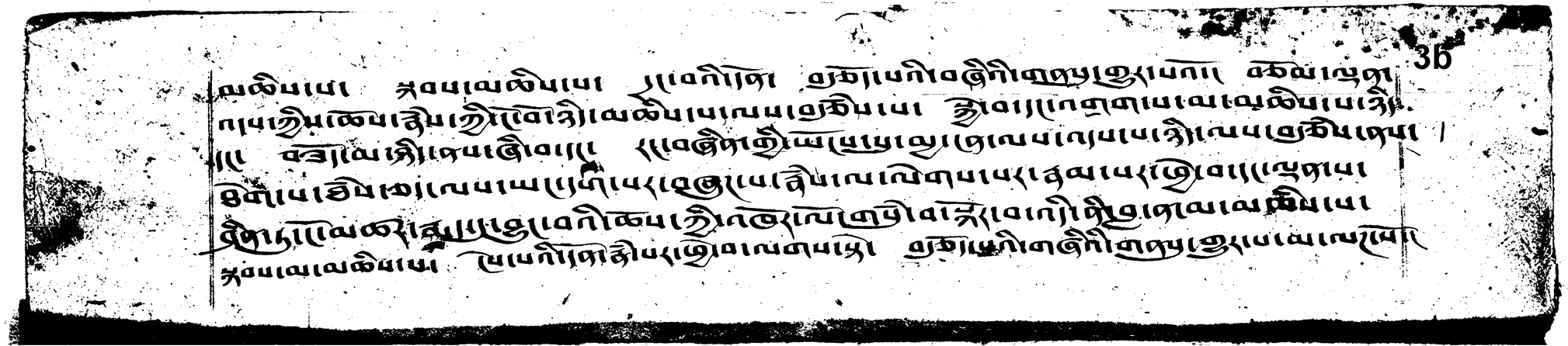

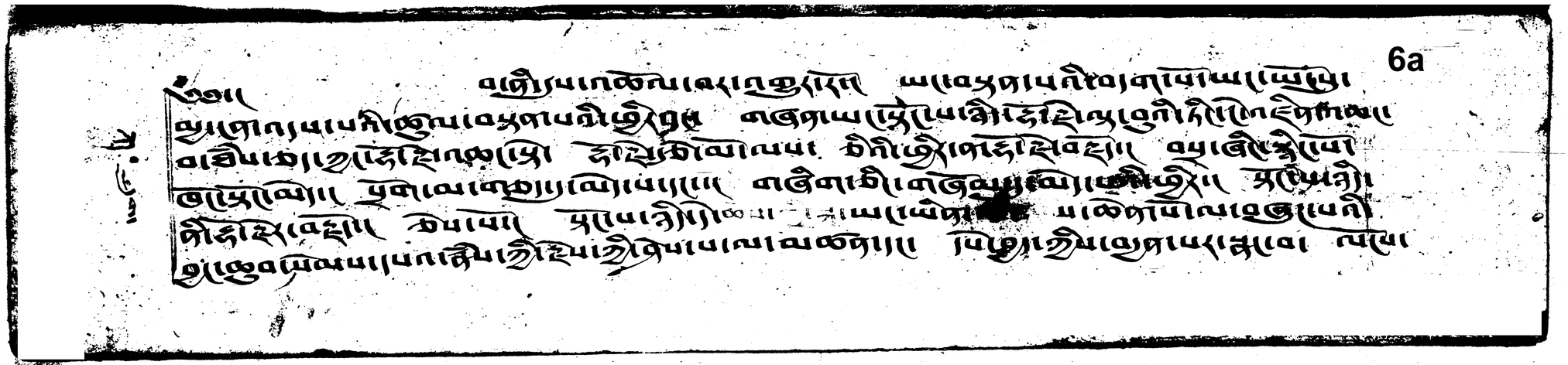

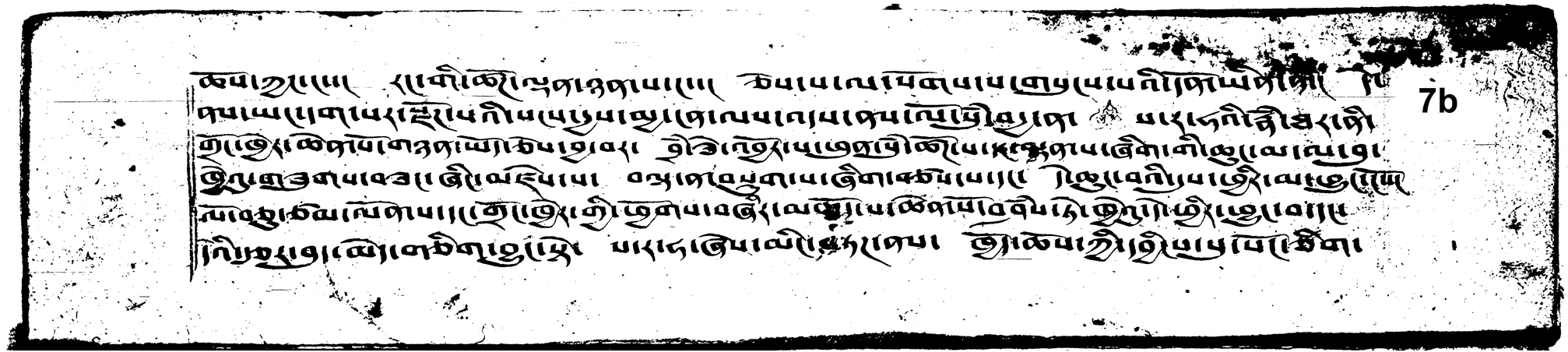

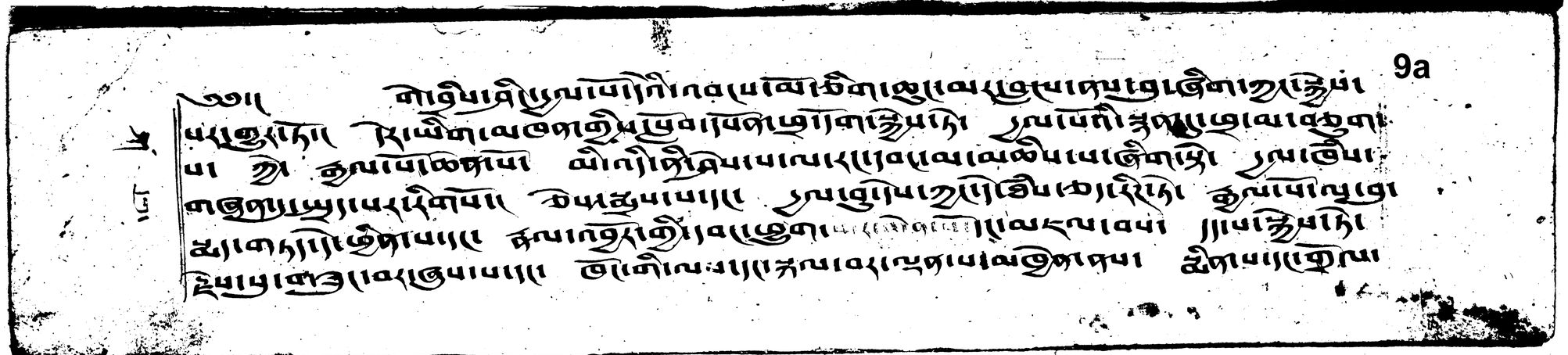

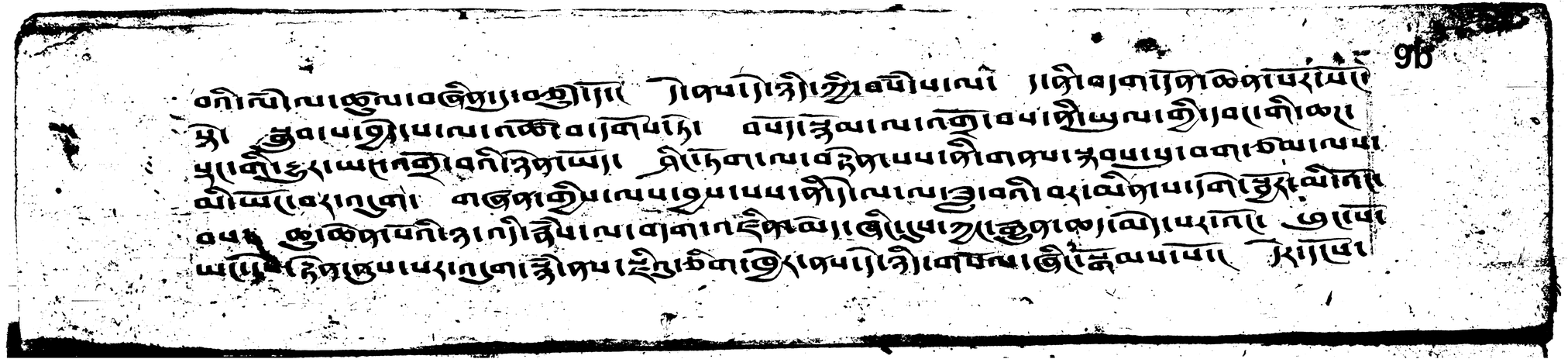

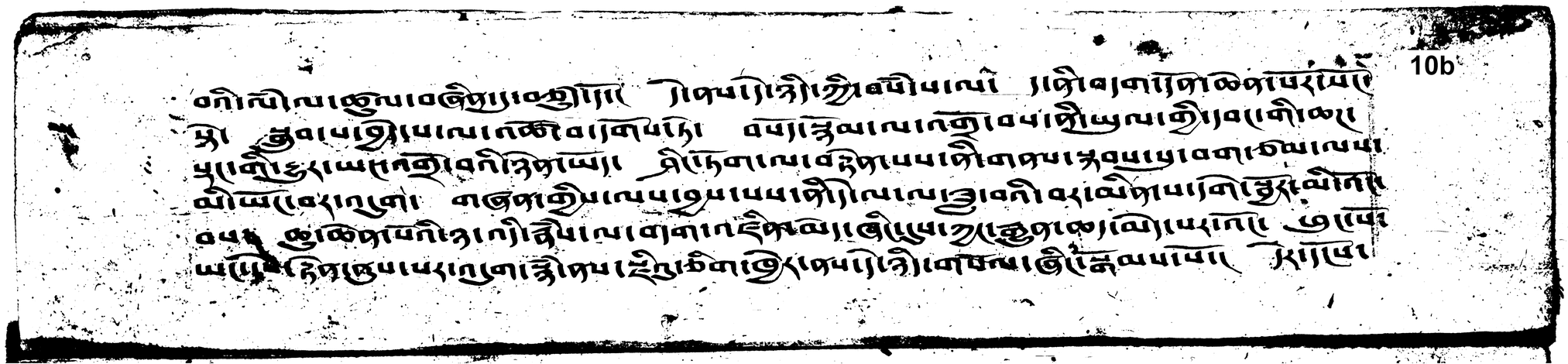

10#bisa.

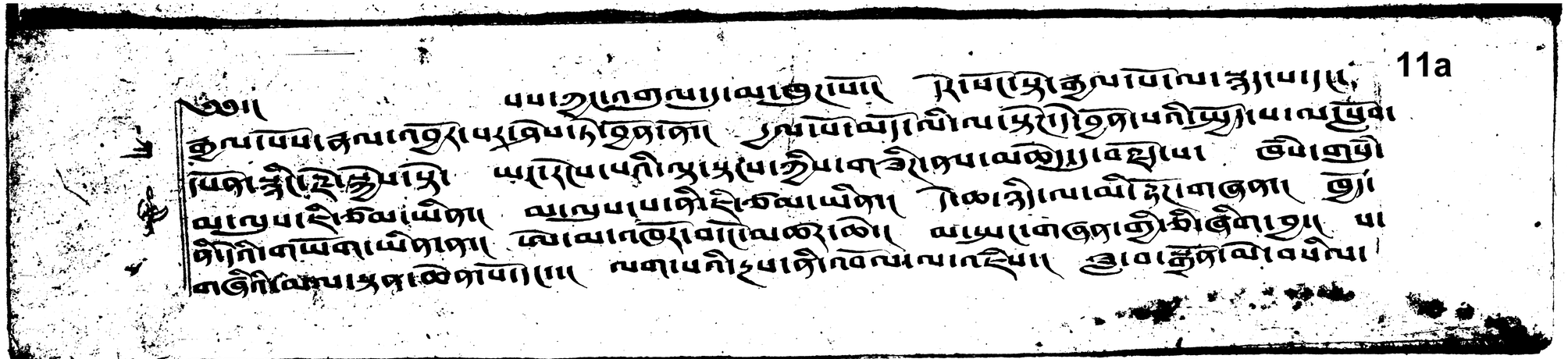

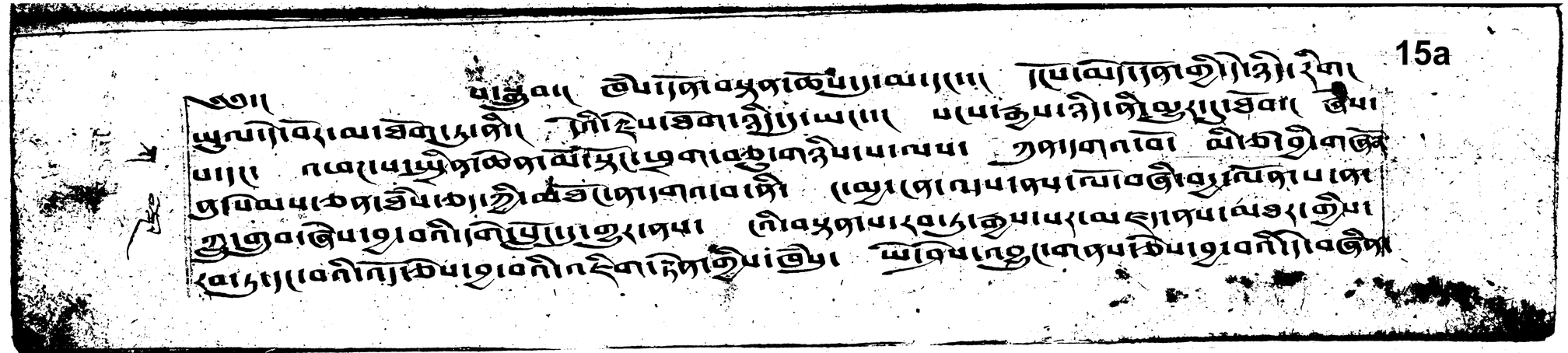

15b

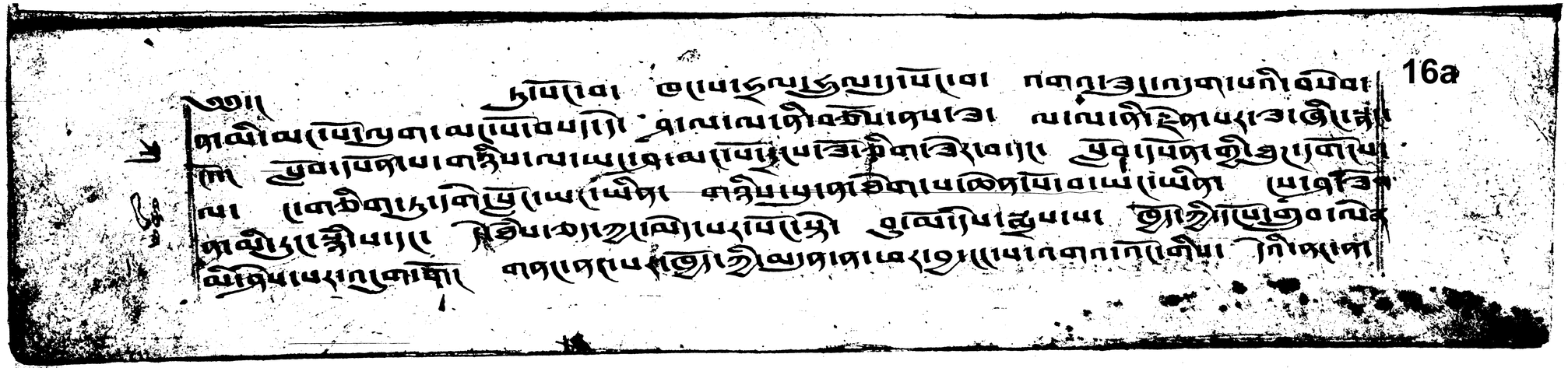

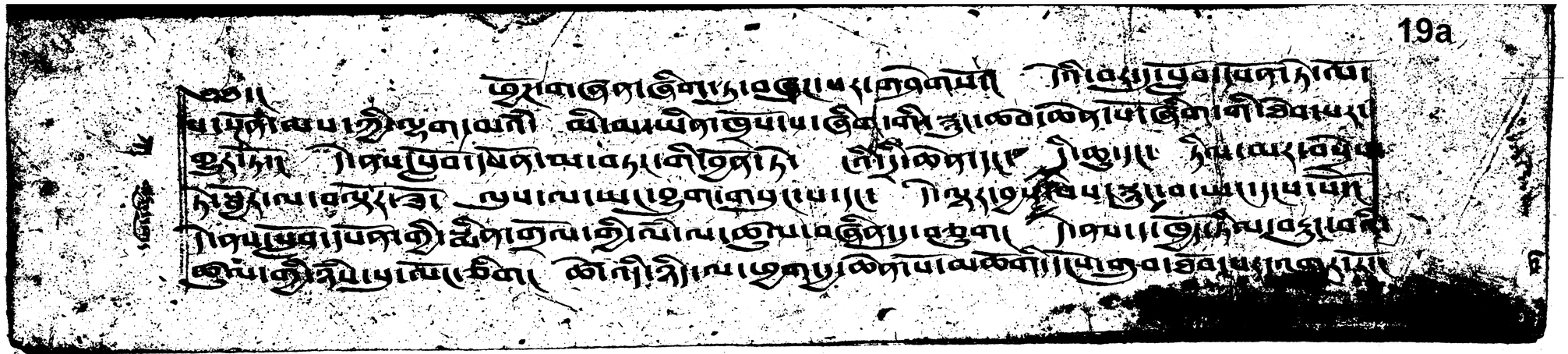

19b

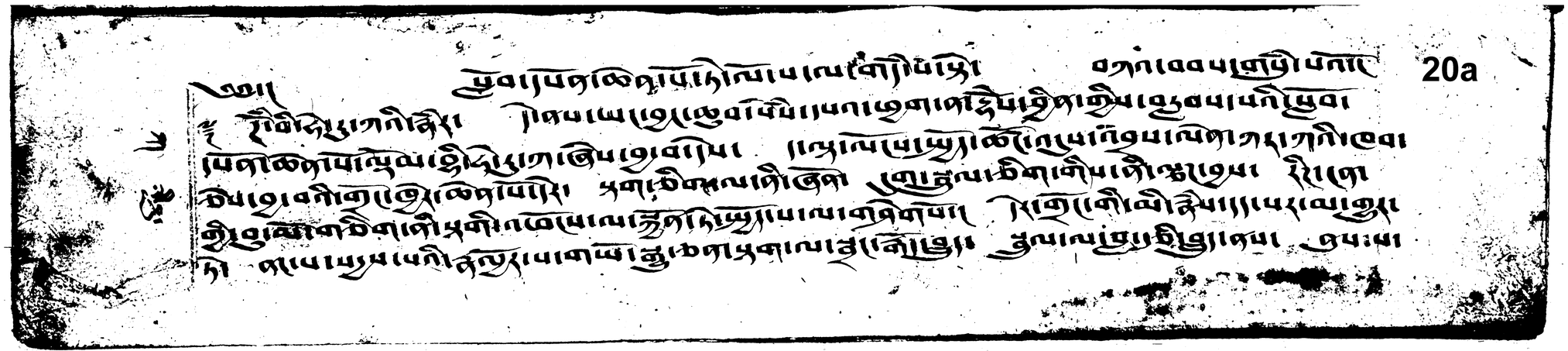

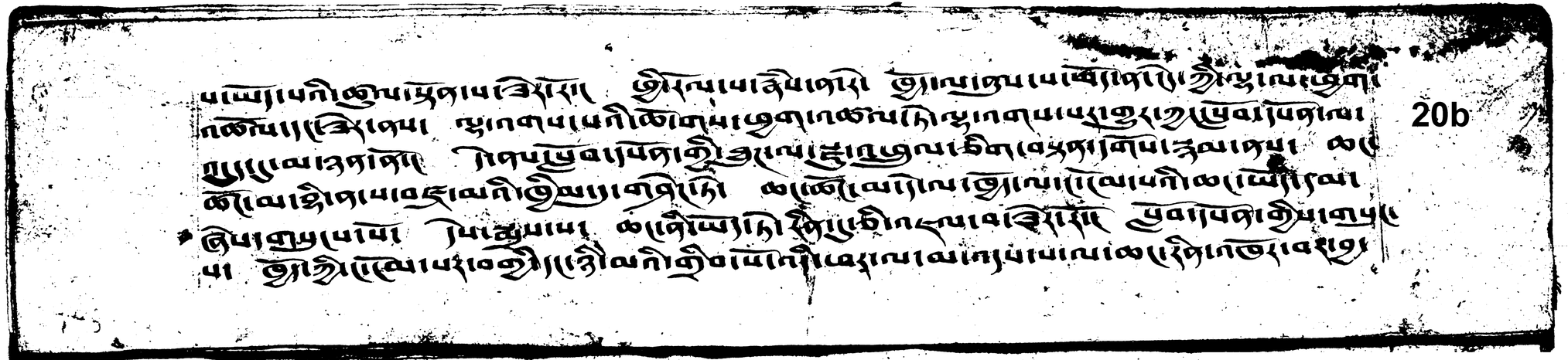

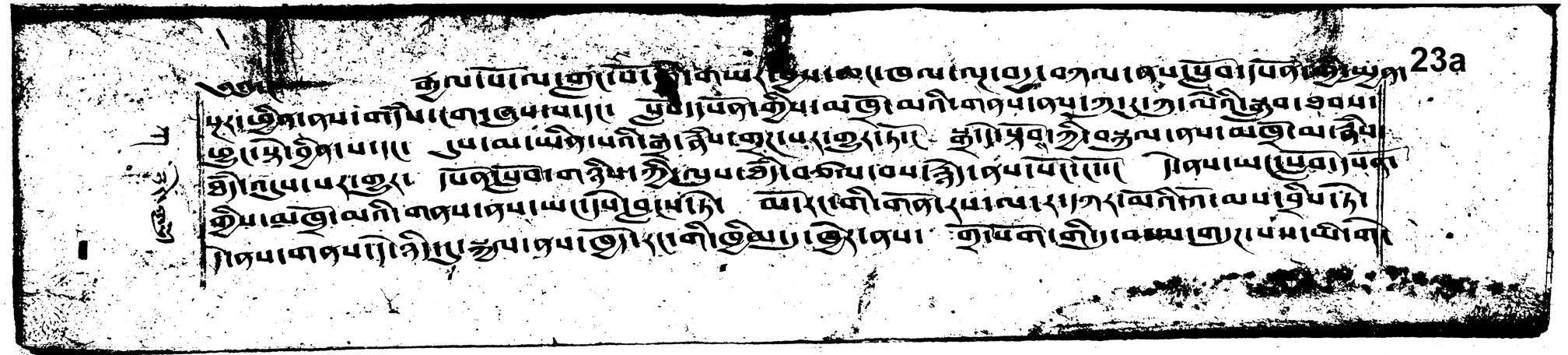

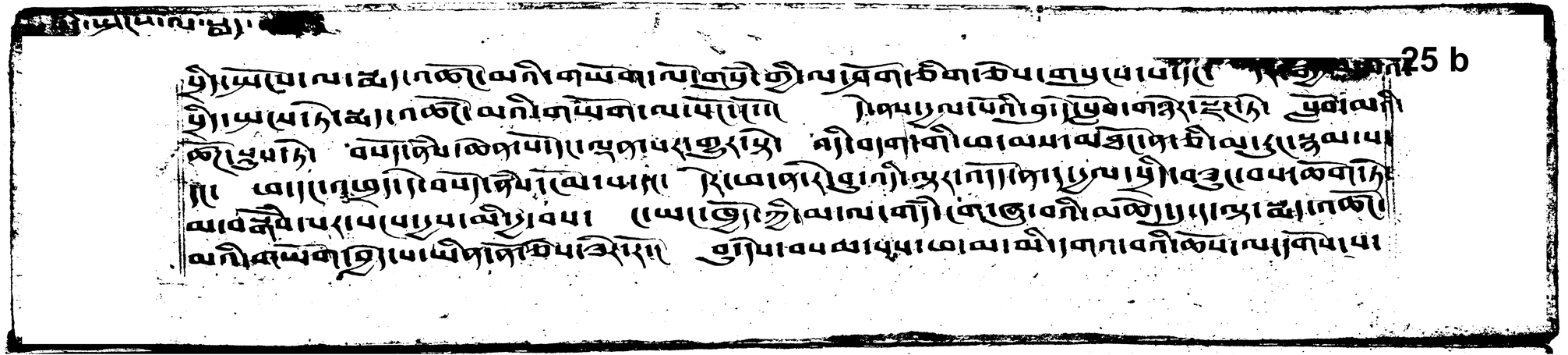

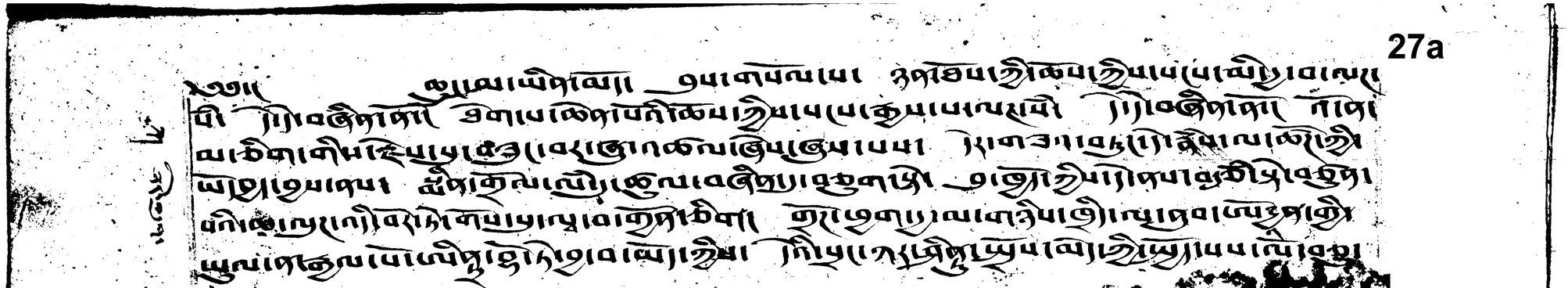

27b

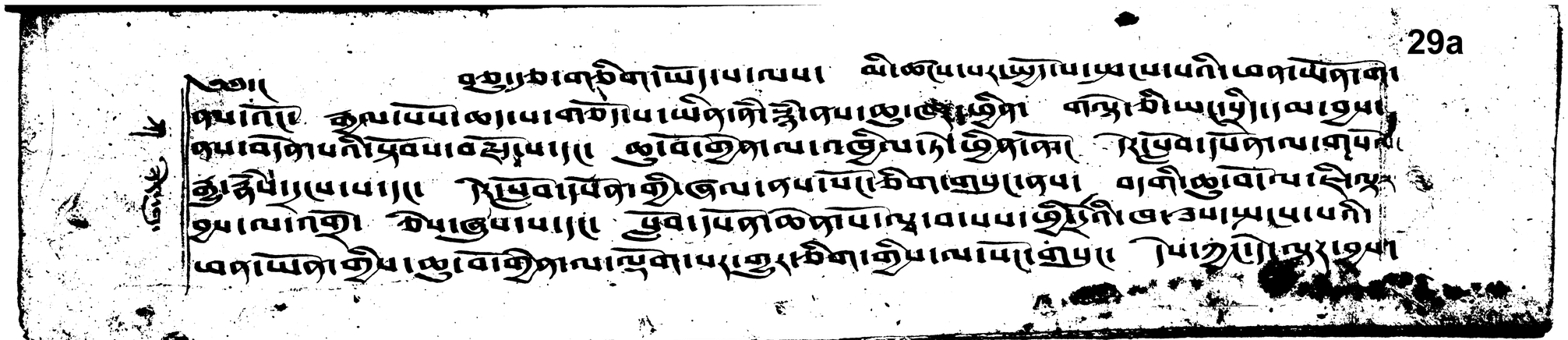

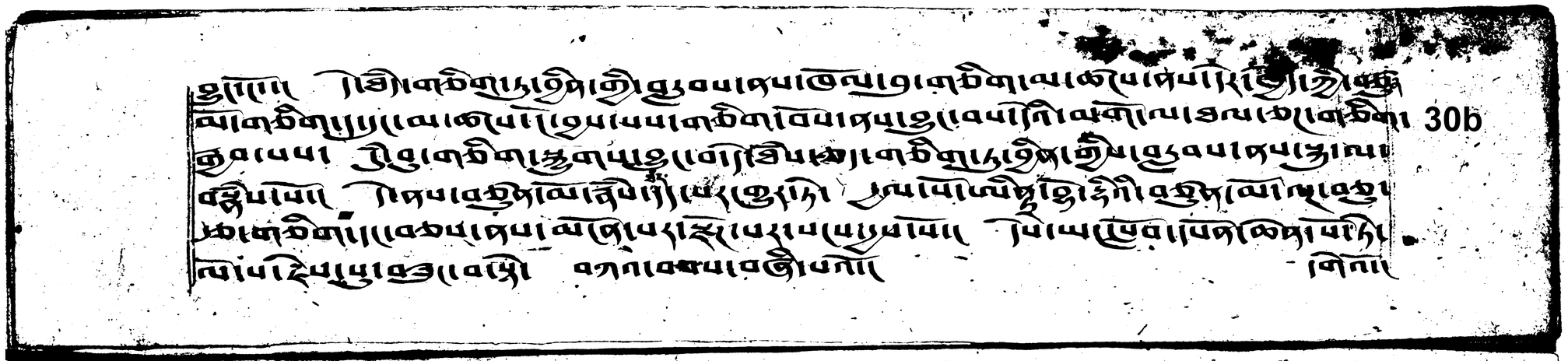

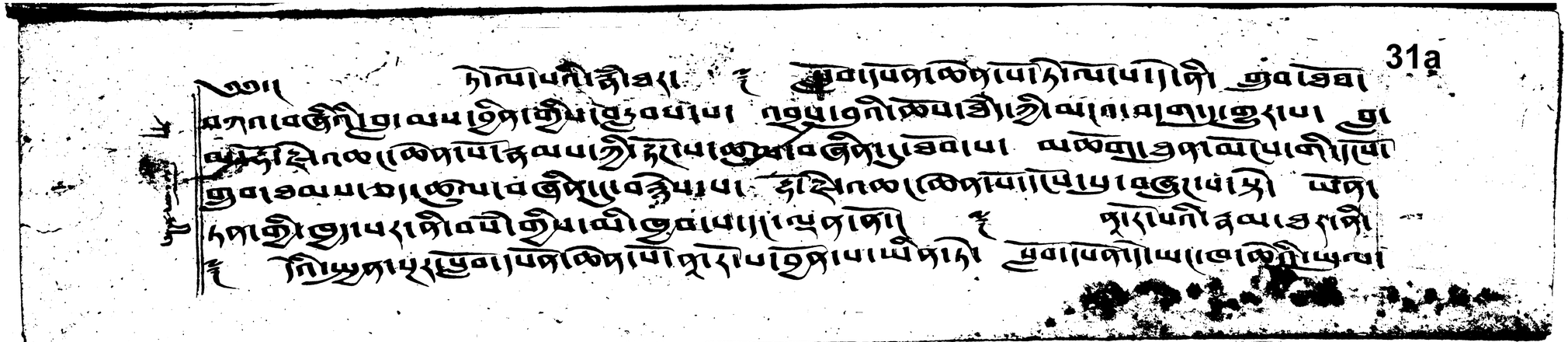

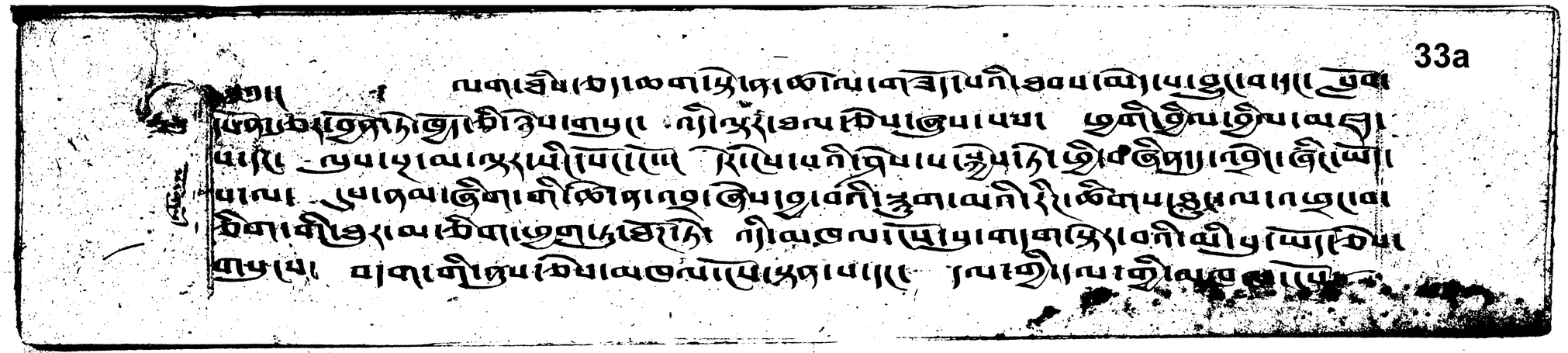

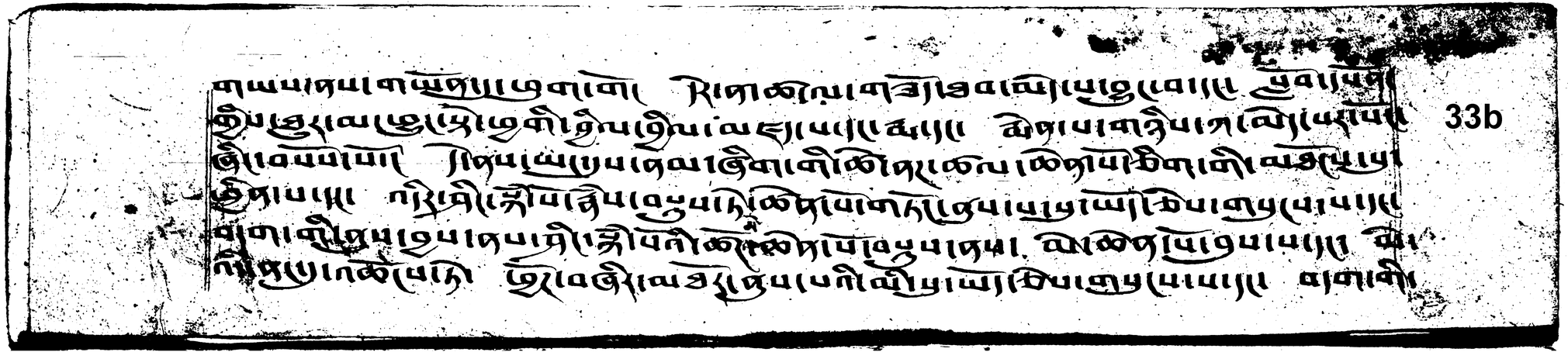

33b

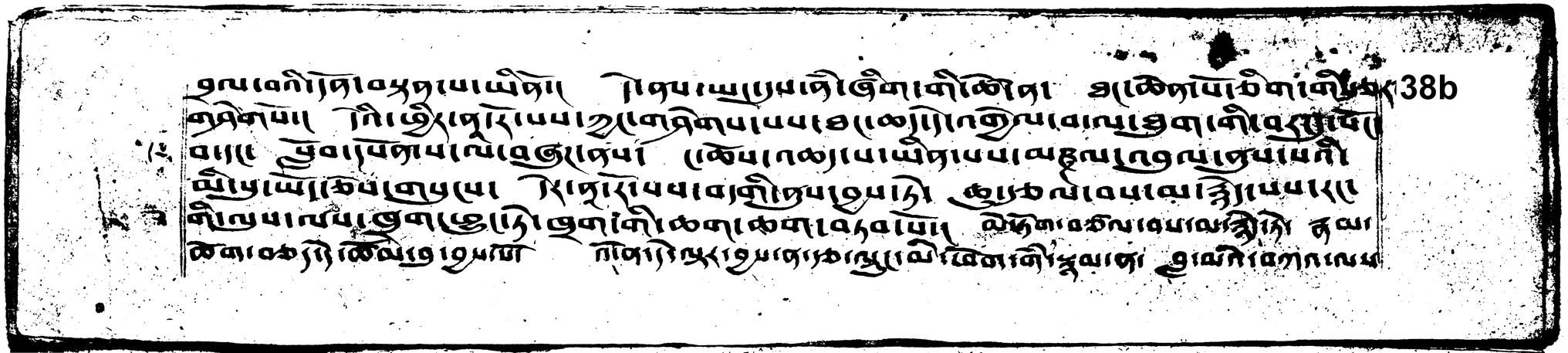

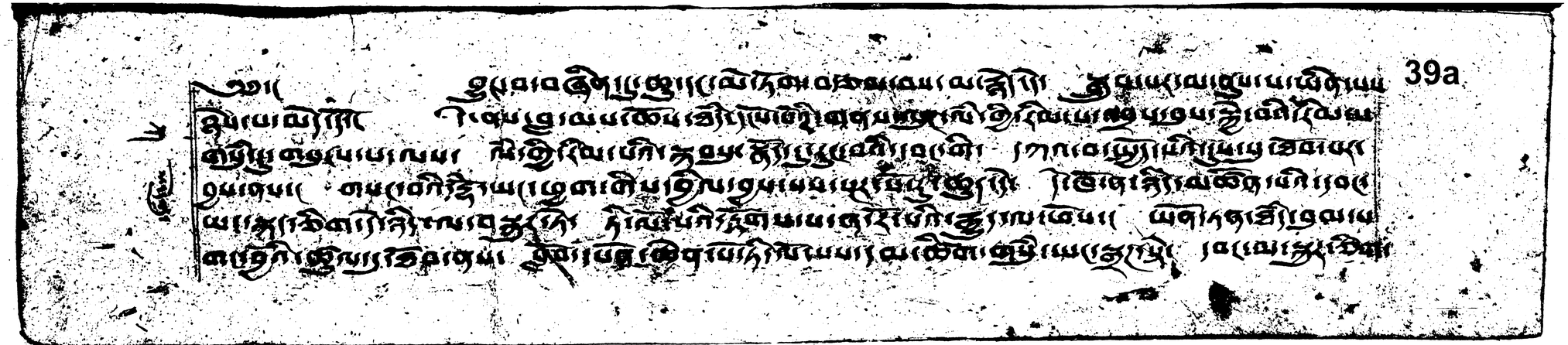

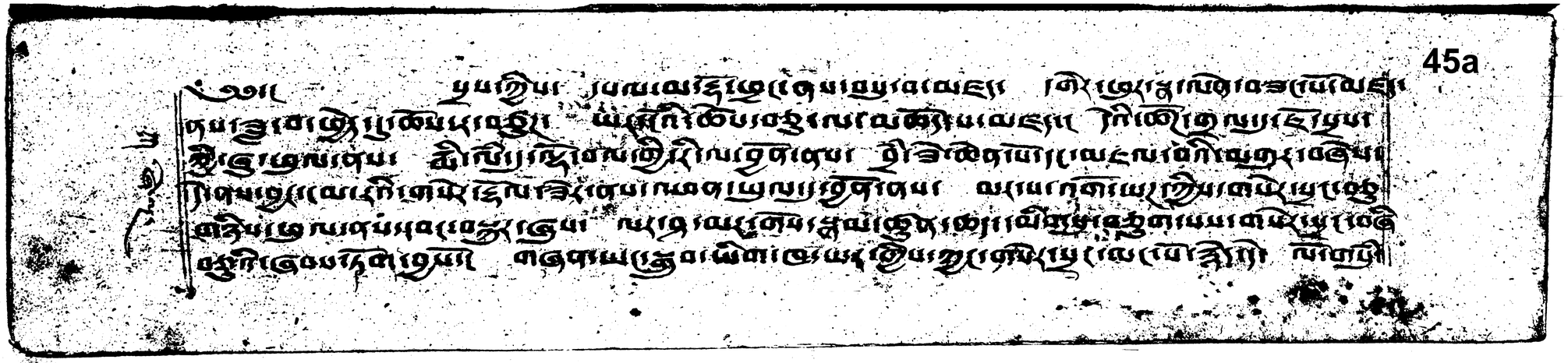

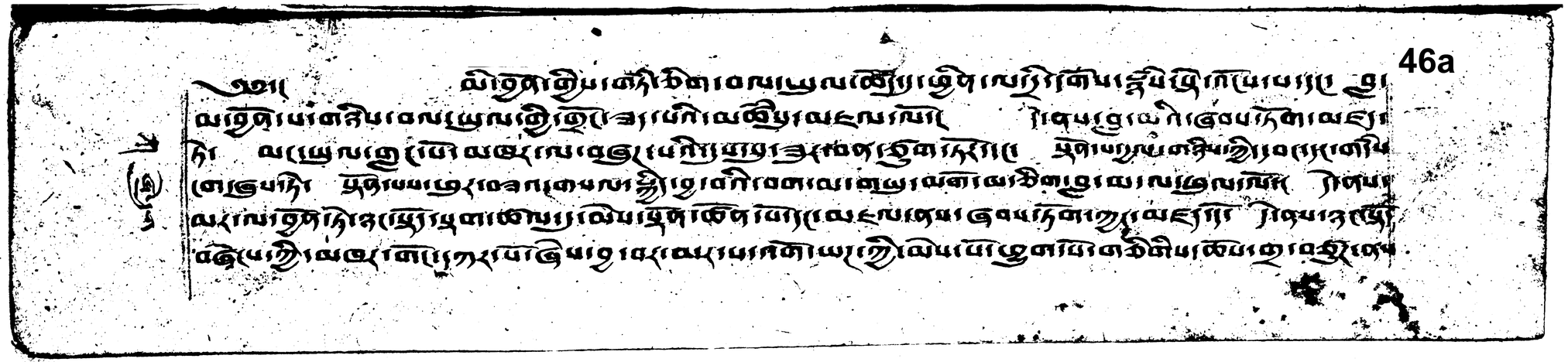

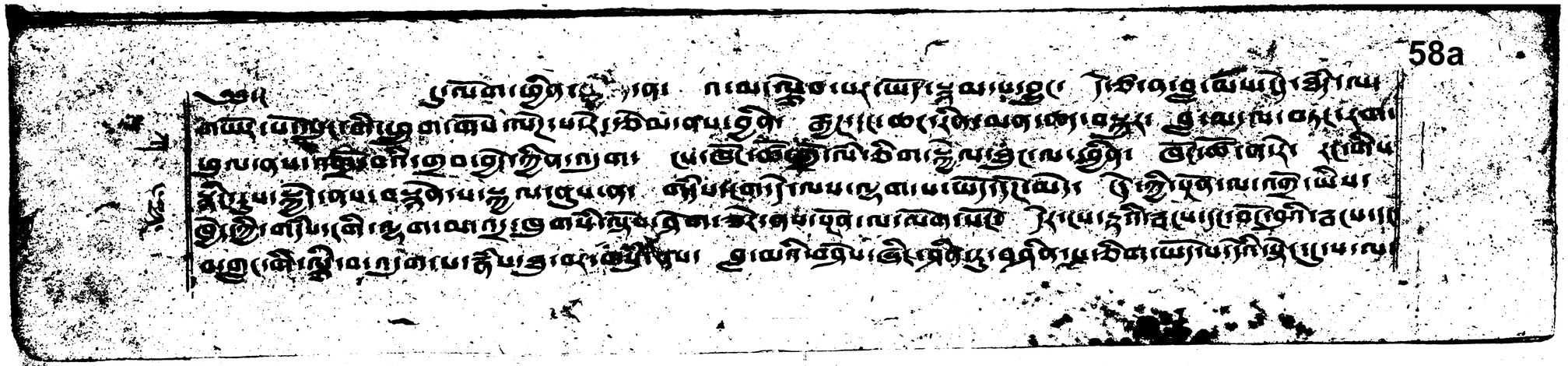

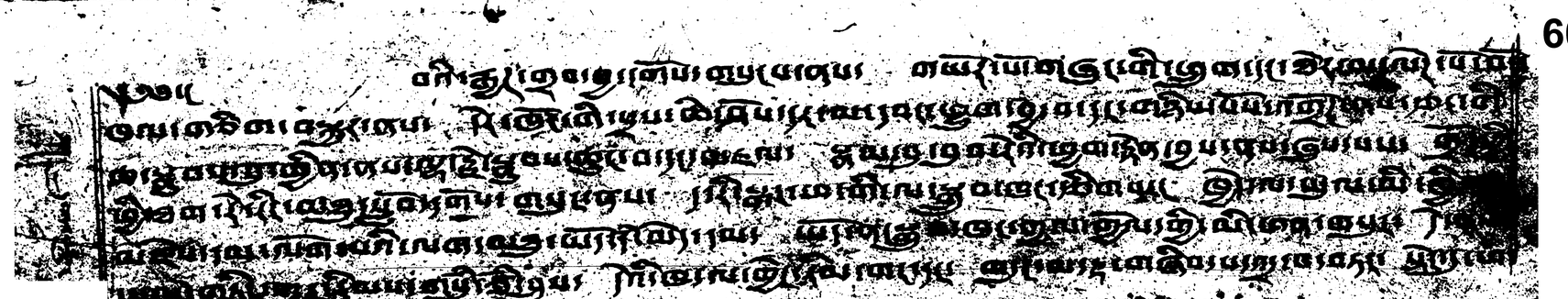

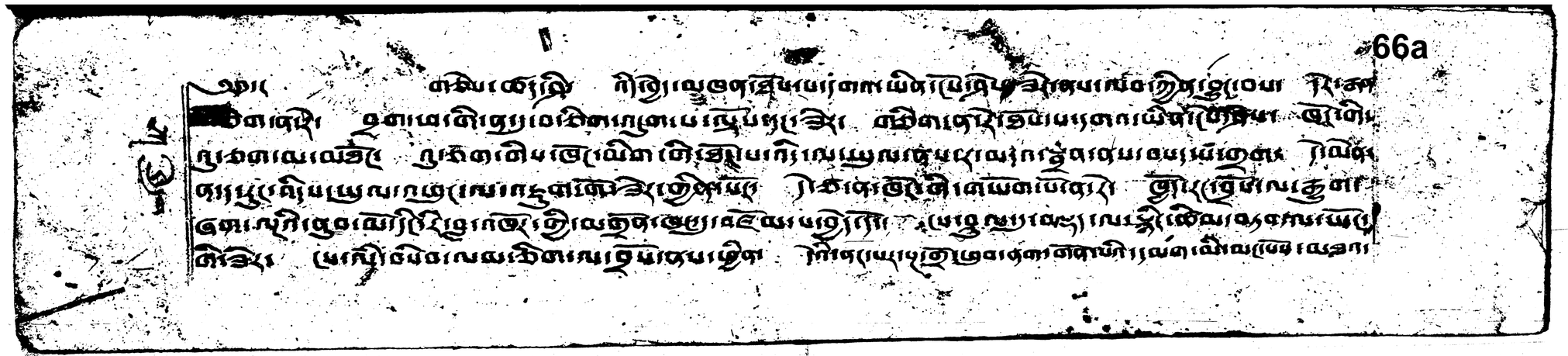

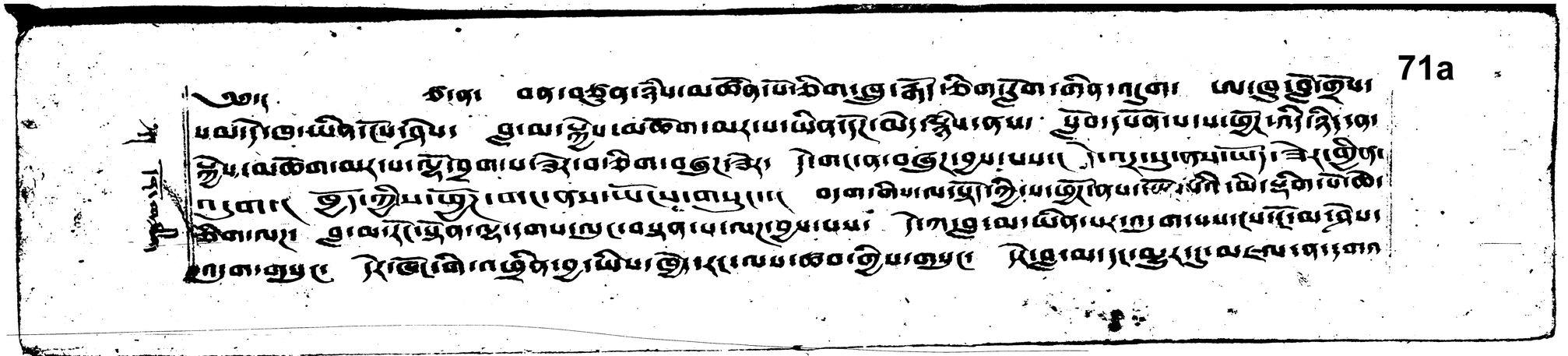

ཞལ་གཡས་ རྒྱལ་པའི་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ ཉི་ཟླ་འོད་ཟེར་ཕྱོགས་བཅུར་གྲགས་པ་ བཀྲ་ཤིས་པའི་
པདྨ་ཡུལ་གྱི་ཕྱོགས་ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ བཀྲ་ཤིས་ཀྱི་ཐོག་གཡོ་བའི་ཕྱོགས་ཀྱི་ཡི་དམ་ཞི་ཁྲོའི་
ཚོགས་ཀྱི་ཞིང་ཁམས་ཀུན་ཏུ་ཁྱབ་པའི་ཕྱག་ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་འཁོར་ལོ་ བཀྲ་ཤིས་ཀྱི་ཐོག་གཡོ་བའི་
ཕྱོགས་ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ དཔལ་ལྡན་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ རིག་འཛིན་ཆེན་པོ་ཀུན་ཏུ་ཡང་
དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ རབ་ཏུ་བྱུང་བ་ཀུན་ཏུ་ཡང་ དཔལ་ལྡན་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་
ཀུན་ཏུ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ རབ་ཏུ་བྱུང་བ་ཀུན་ཏུ་ཡང་ བཀྲ་ཤིས་ཀྱི་ཐོག་གཡོ་བའི་

94a

ཀིཾ་ཏཱ་ཐཱ་ཐཱ་ཏཱ་ཐཱ་ཐཱ་ཏཱ་ཐཱ་ཐཱ

104a

105a

111a

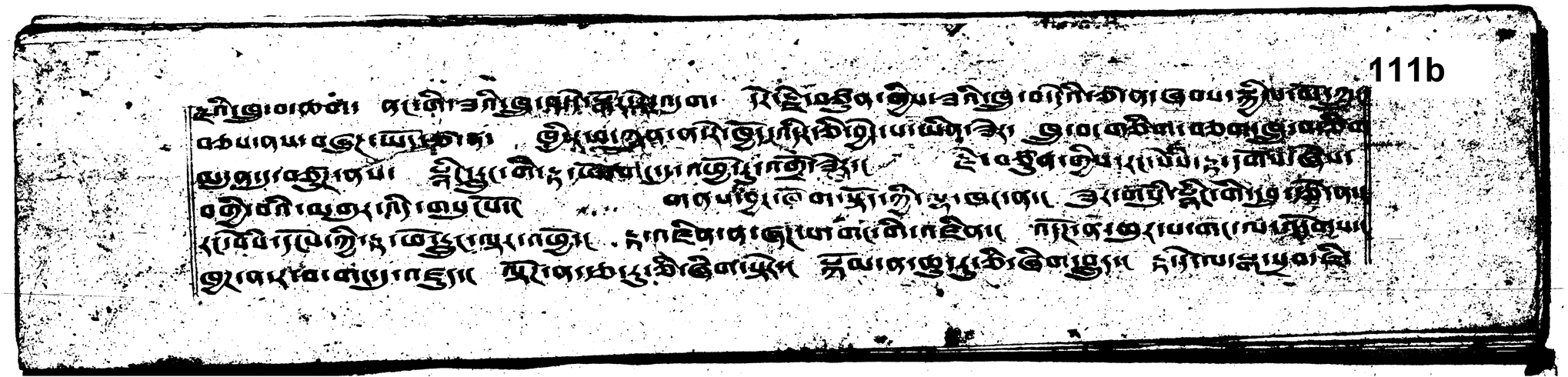

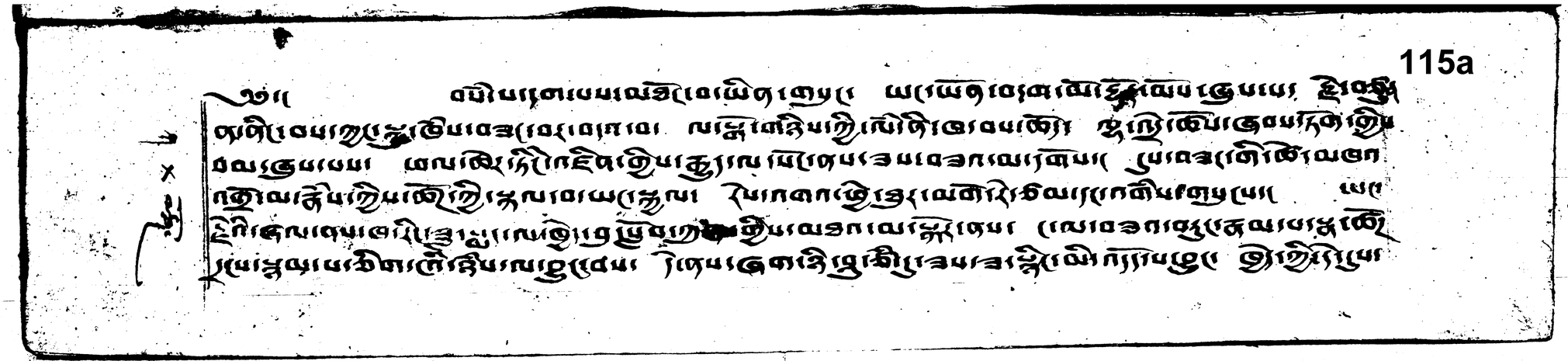

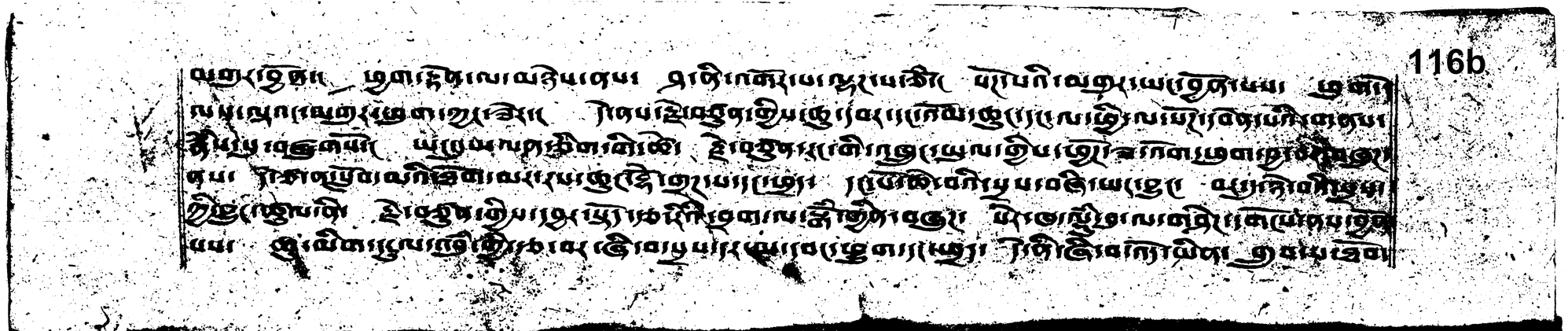

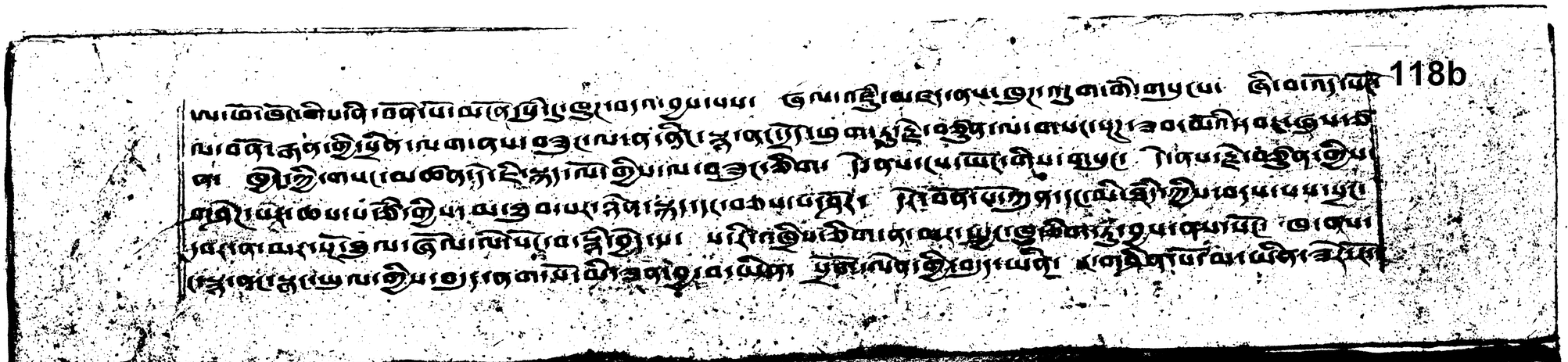

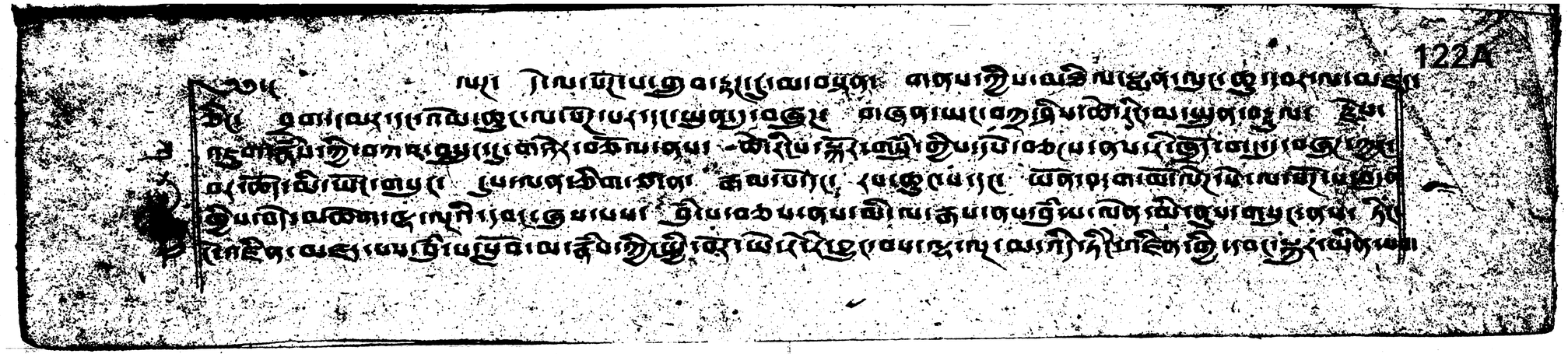

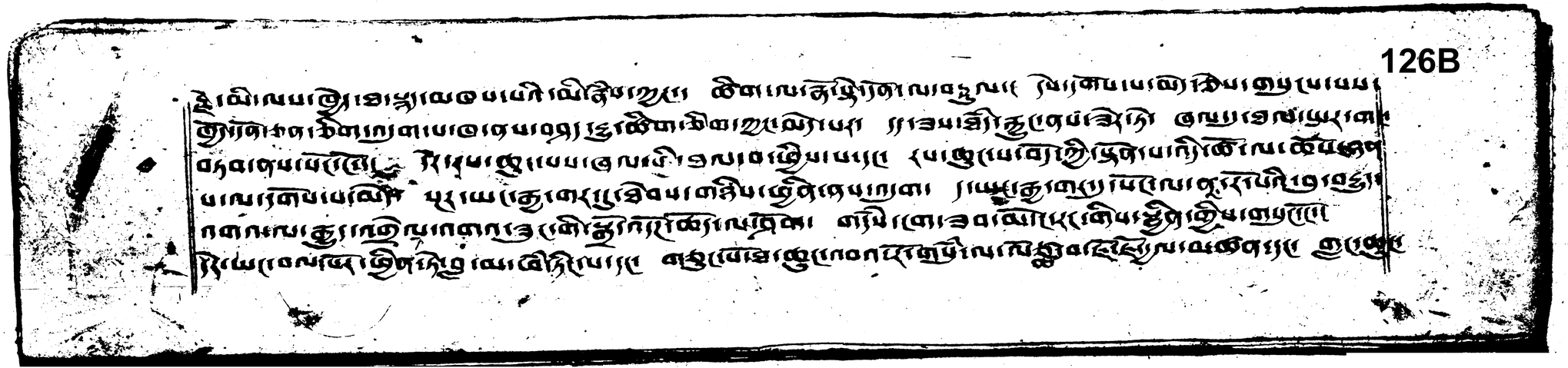

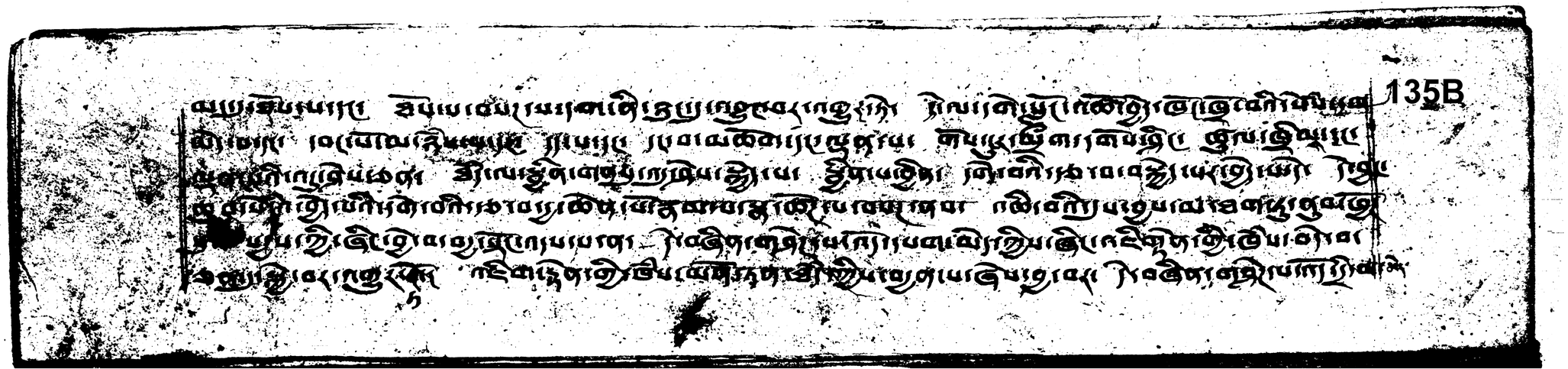

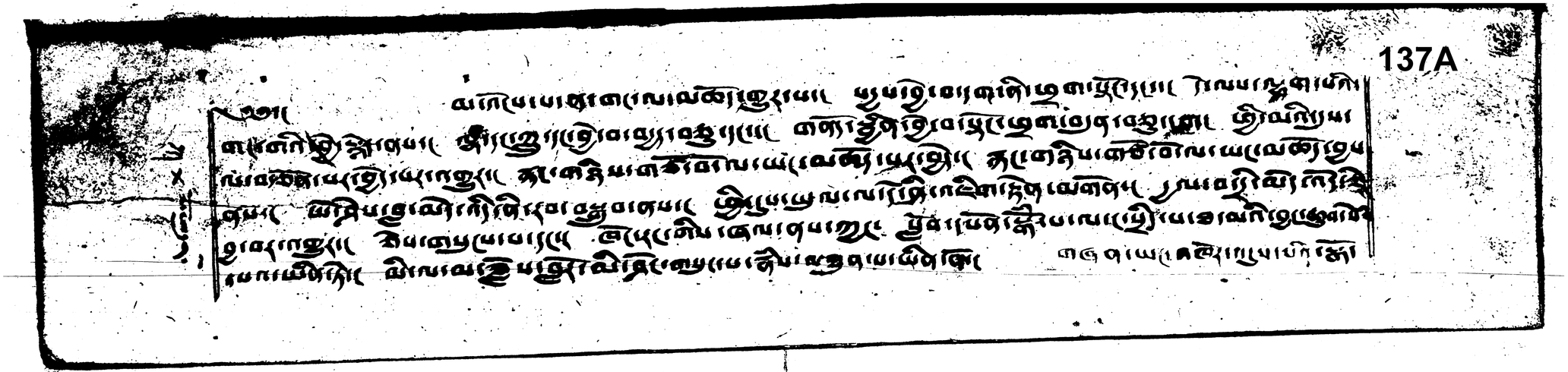

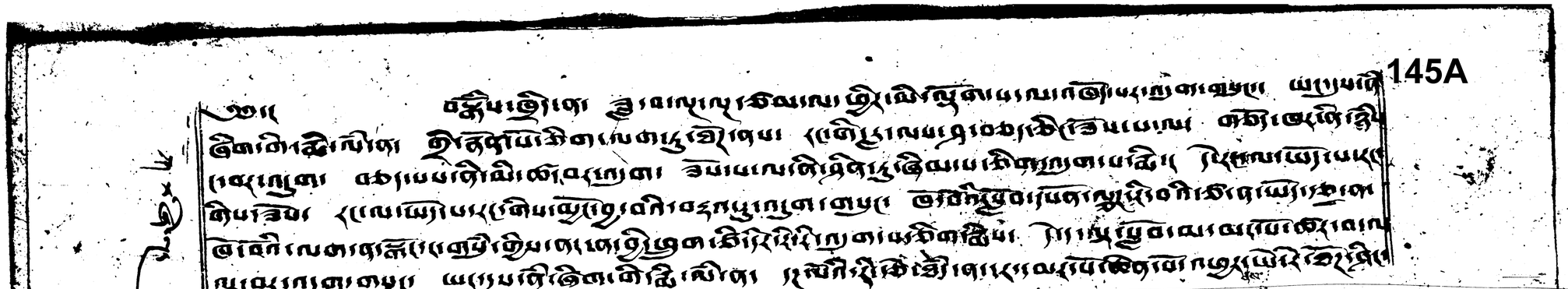

MISSSING 151B/152A/152B/153A/153B/154A 3 PAGE.

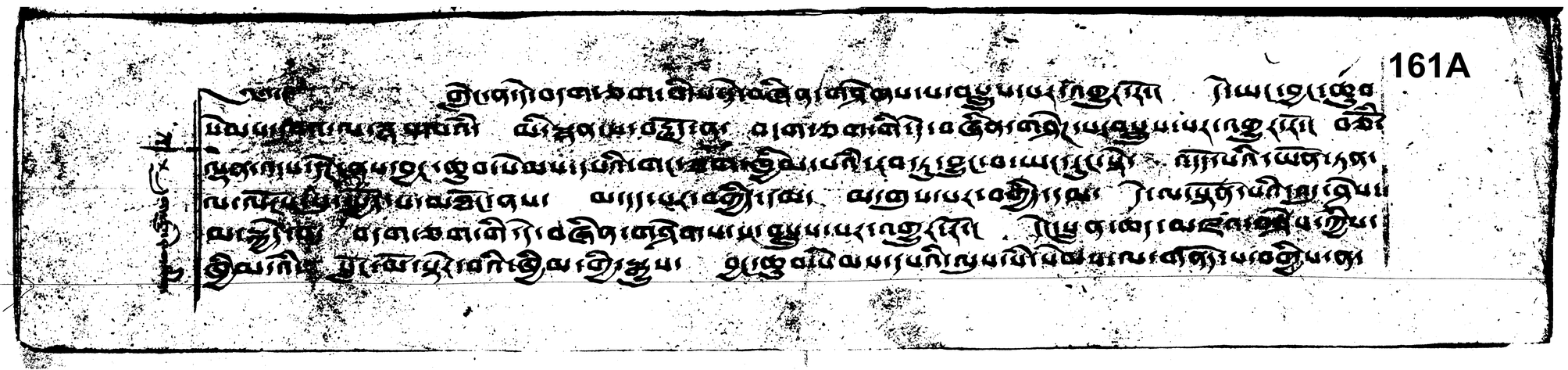

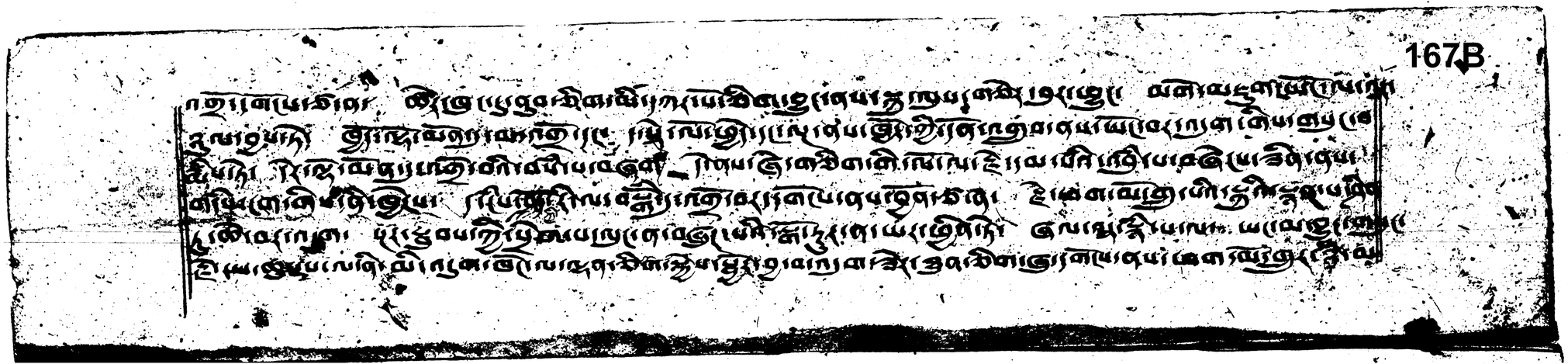

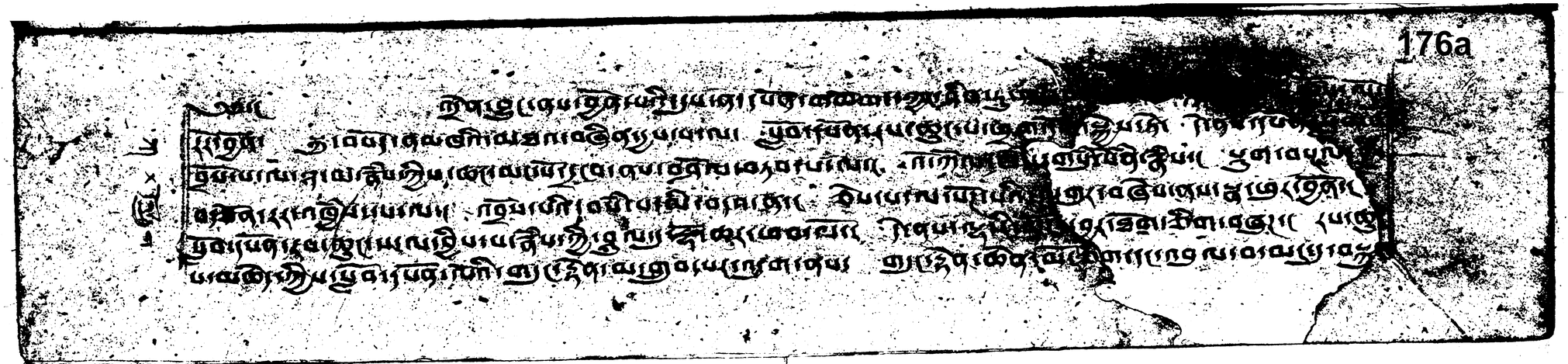

178a

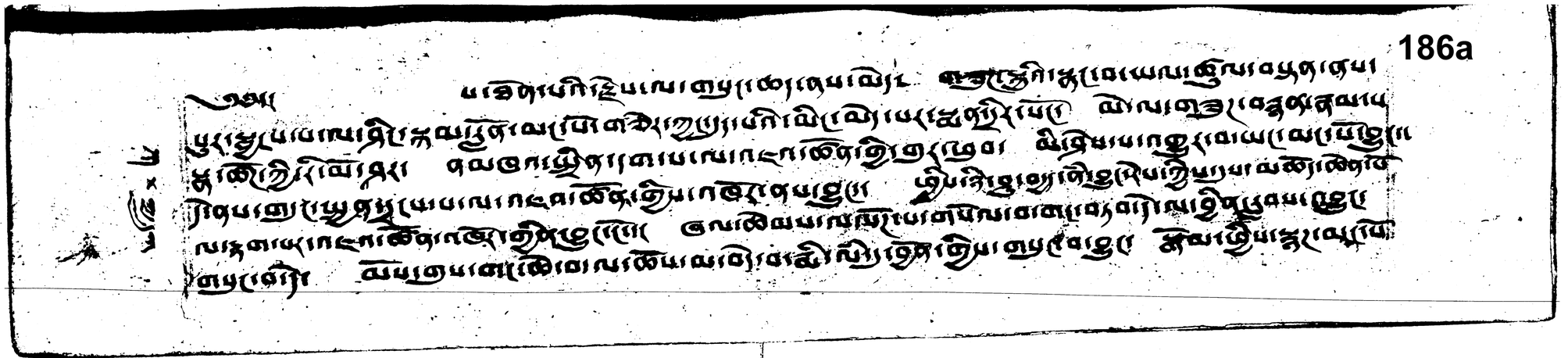

198a

xxx

ཞེས་ཅིག་ཤོས་ལ་ བཤད་པའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཅིག་ཤོས་ རིགས་རྒྱུད་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཅིག་ཤོས་ རྡོ་རྗེ་སེམས་དཔའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་
བཅུ་ཕྲག་ཅིག་ཅེས་པ་སྐྱེ་བའི་ཕྱིར་ཏེ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་ཏེ། བཤད་པའི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཅིག་ཤོས་ རྡོ་རྗེ་སེམས་དཔའི་
ཏིང་ངེ་འཛིན་ཅིག་ཤོས་ ཡིད་བཞིན་ནོར་བུ་ལ་སོགས་པ་ཏེ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཡིན་ནོ། ཡང་ན་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཅིག་ཤོས་
ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཏེ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཡིན་ནོ། ཡང་ན་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཅིག་ཤོས་ ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཏེ་ཞེས་བྱ་བ་
ལ་སོགས་པ་ཡིན་ནོ། ཡང་ན་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཅིག་ཤོས་ ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཏེ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཡིན་ནོ། ཡང་ན་ཏིང་ངེ་
འཛིན་ཅིག་ཤོས་ ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཏེ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཡིན་ནོ། ཡང་ན་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཅིག་ཤོས་ ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་
པ་ཏེ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཡིན་ནོ། ཡང་ན་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཅིག་ཤོས་ ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཏེ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཡིན་ནོ།

205a

xxx

214a

꣆ꣳ꣬꣭ ﬀﬁﬂﬃﬄﬅ ﬆ﬇ﬓﬔﬕﬖ ﬗ﬘﬙﬚﬛﬜ יִﬞײַﬠﬡﬢ ﬣﬤﬥﬦﬧﬨ ﬩שׁשׂשּׁ שּׂאַאָ אּבּגּ דּהּוּ זּחּטּ יּךּכּ לּמּנּ סּףּפּ צּקּרּ שּתּוֹ בֿכֿפֿ אֿאל

ꣳ ꣳ ꣳ

227a

Tibetan × ×

232b

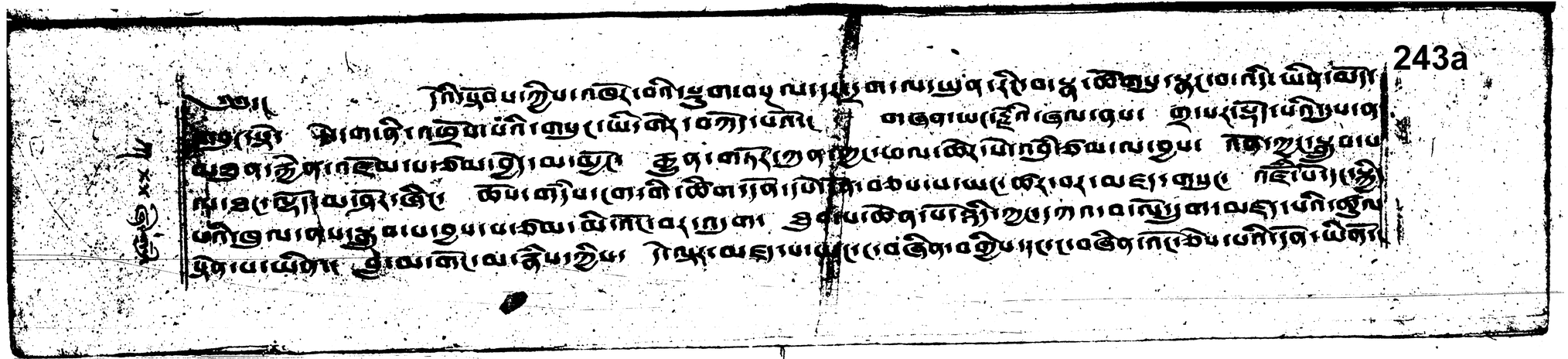

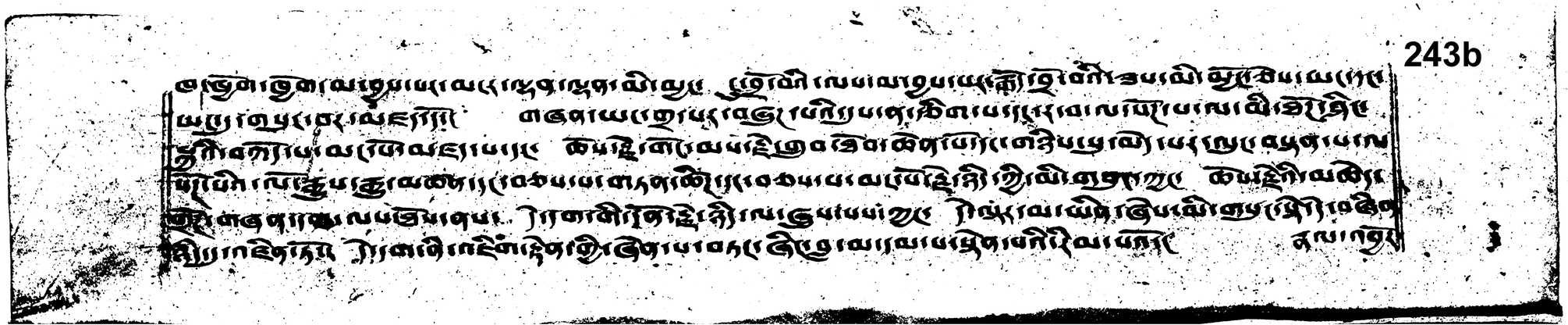

244b

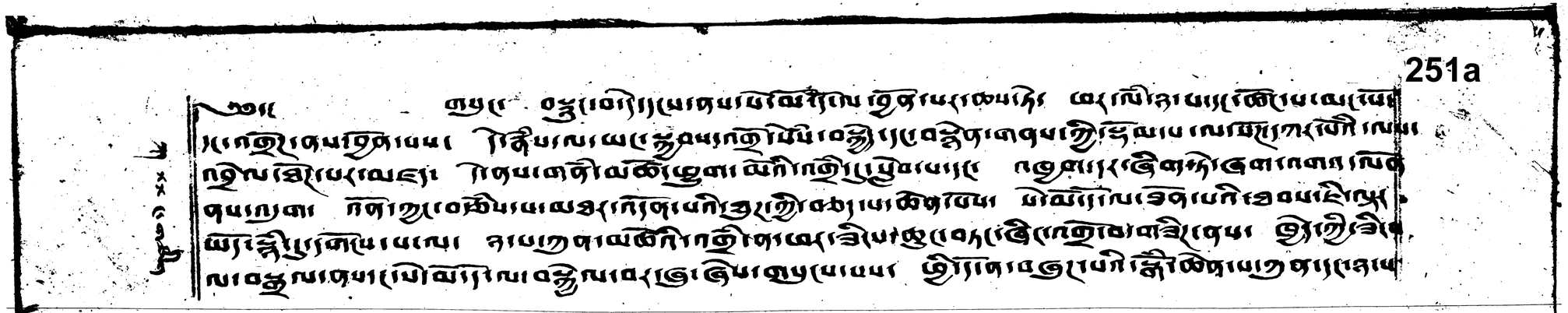

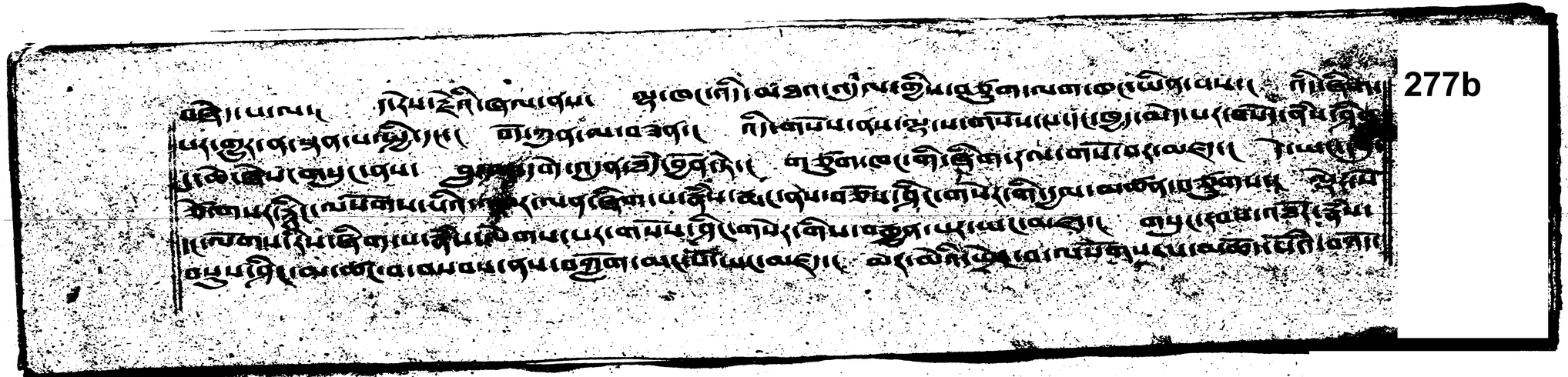

277b

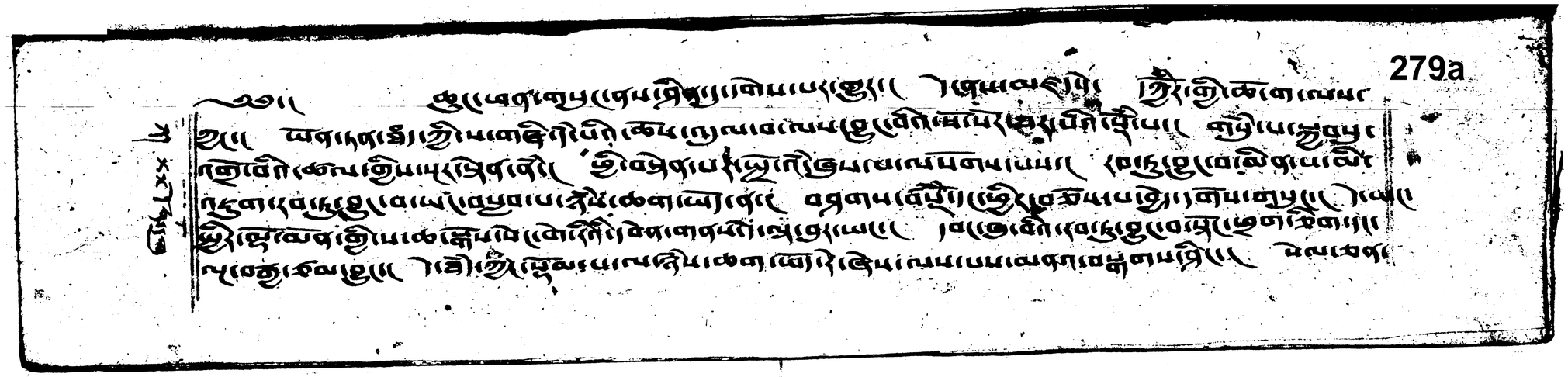

293a

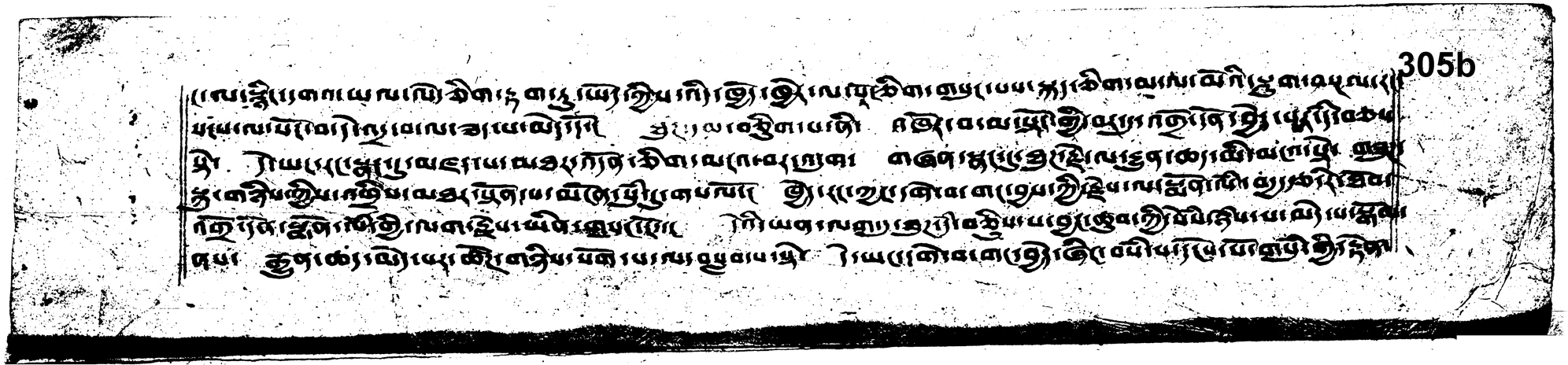

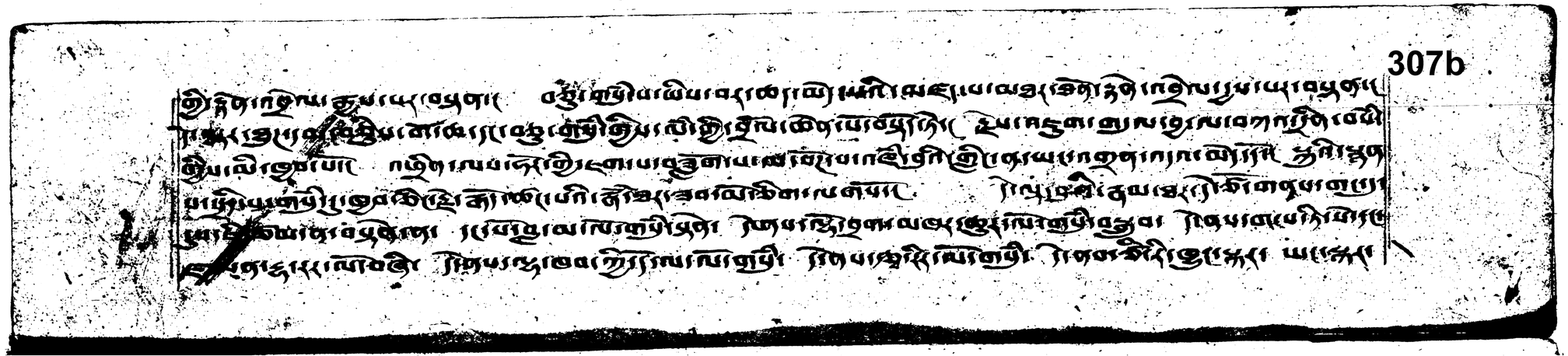

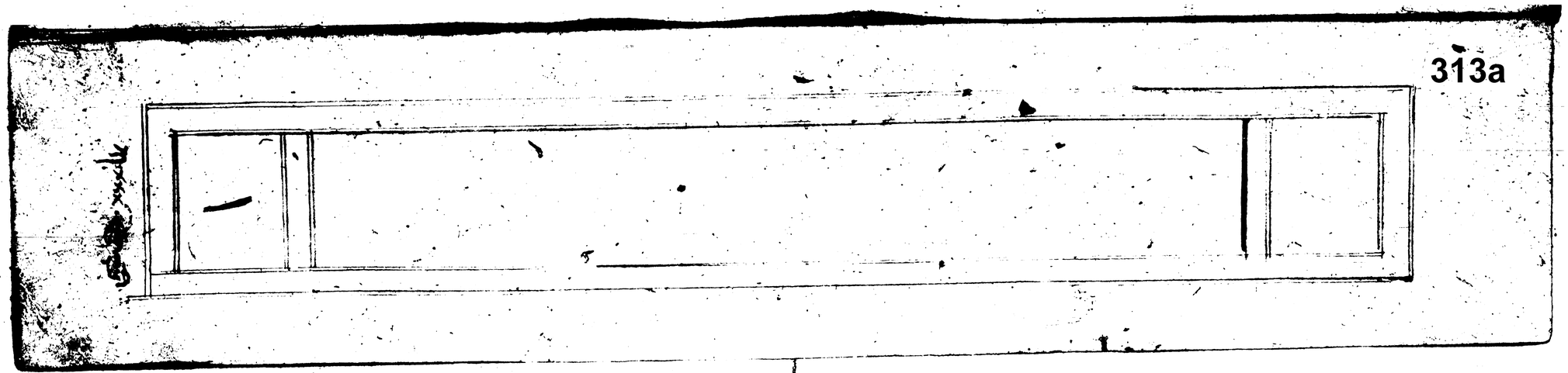

317a

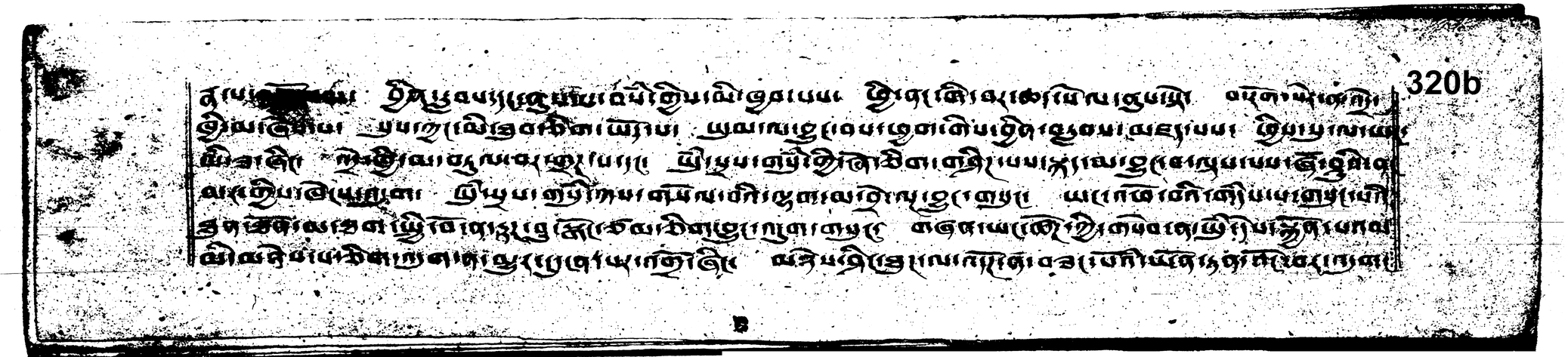

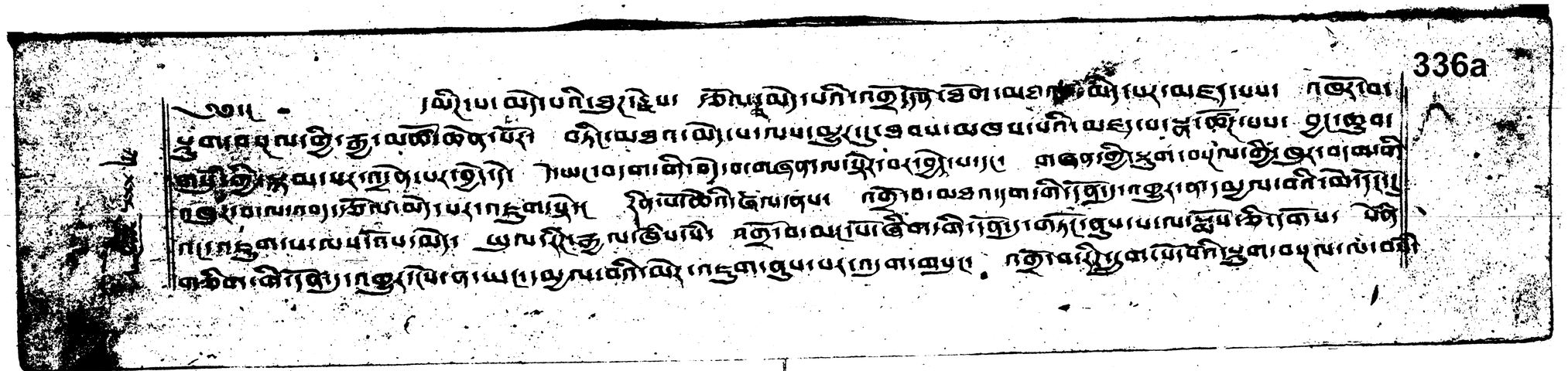

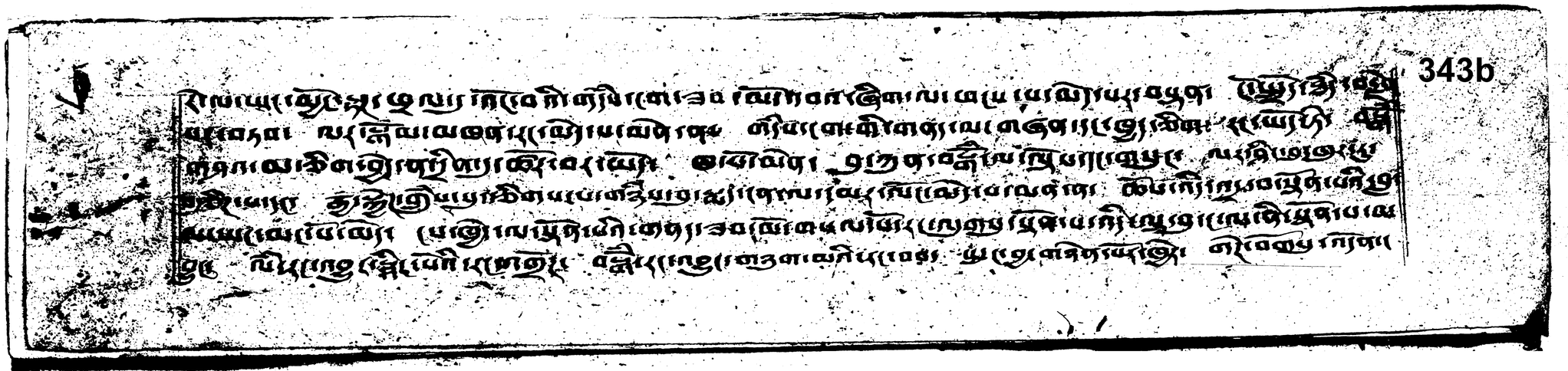

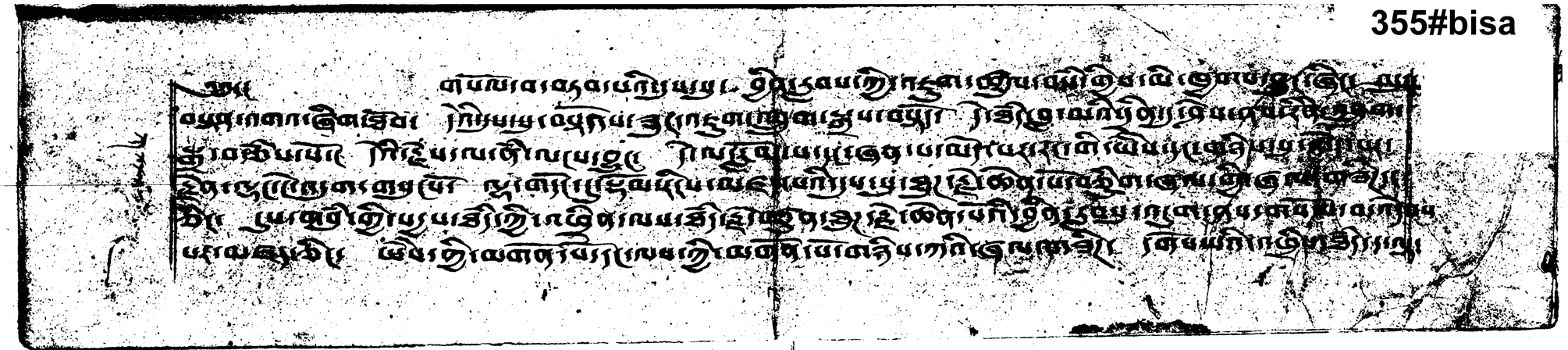

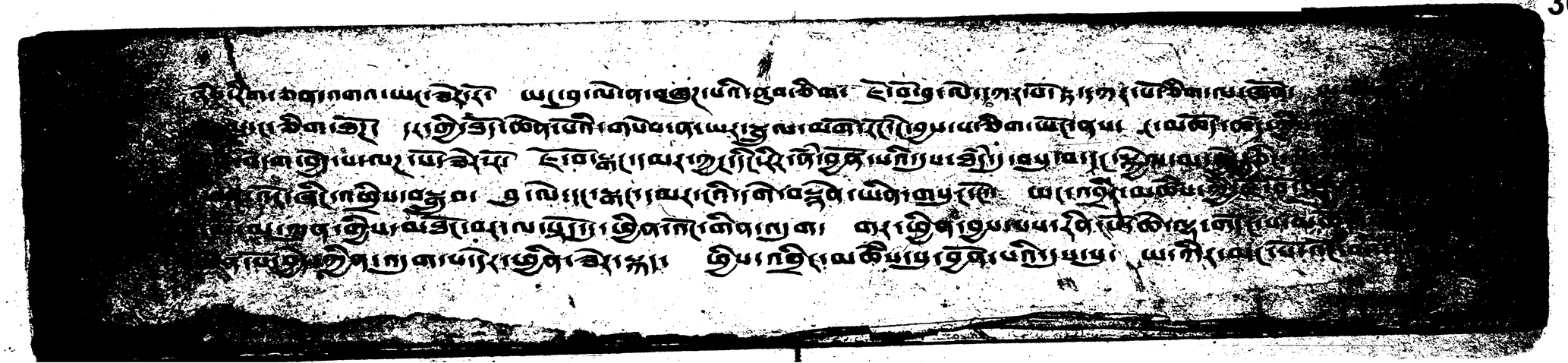

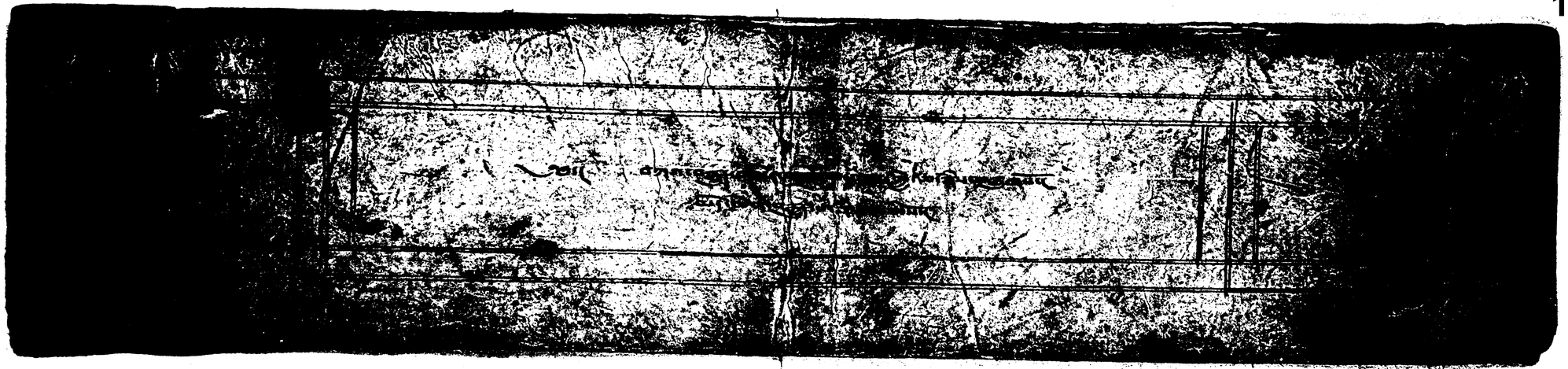

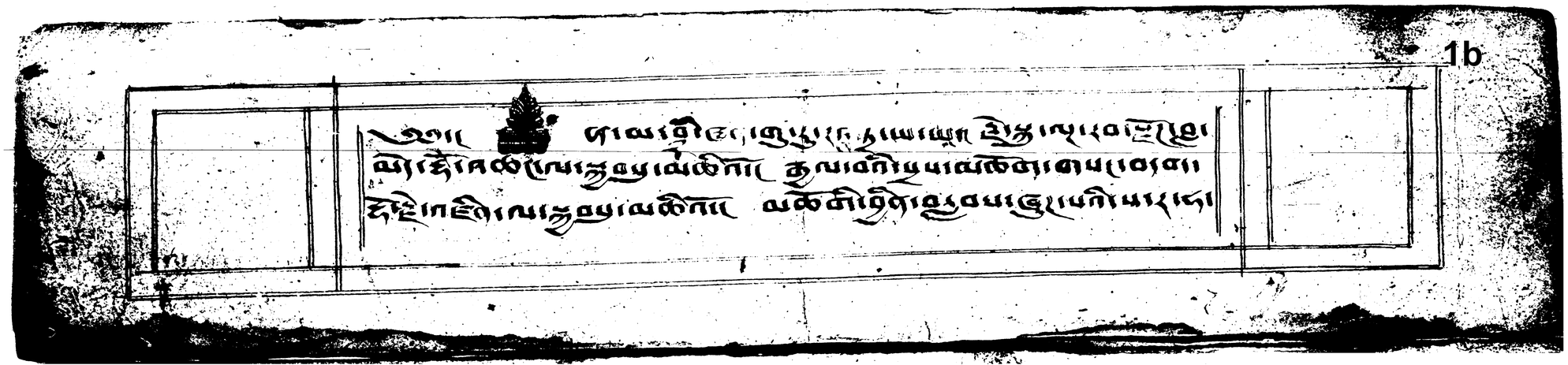

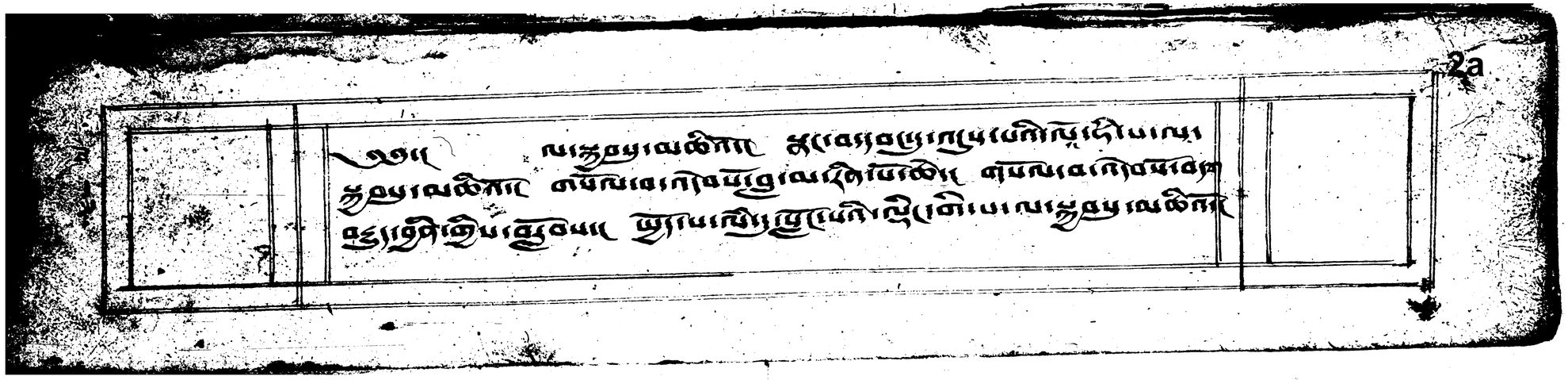

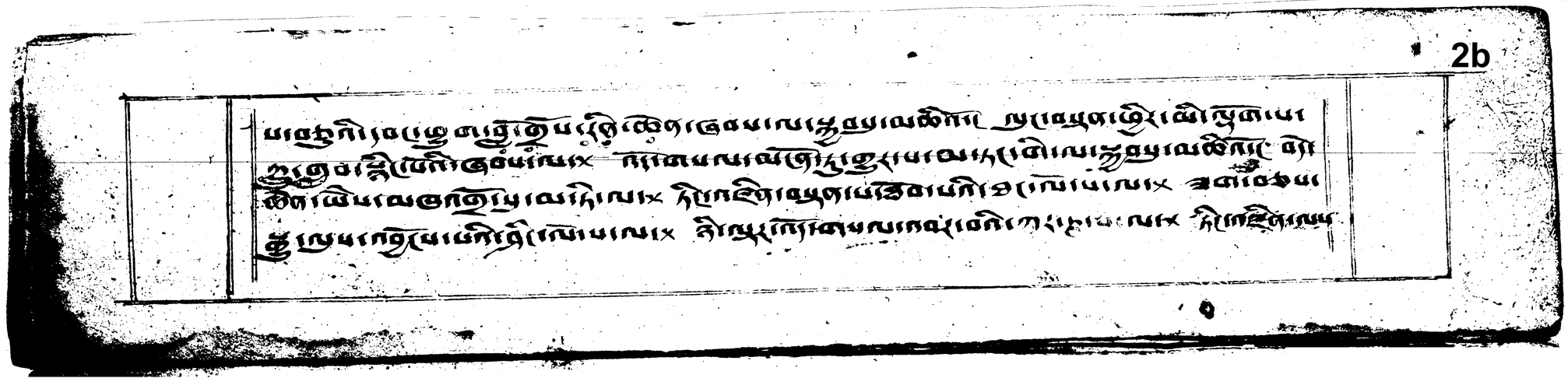

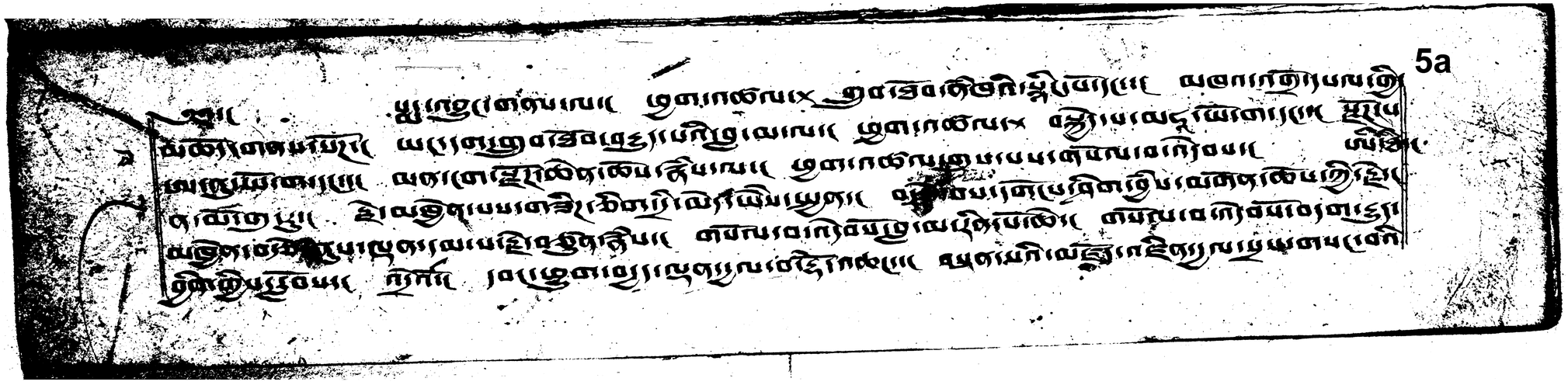

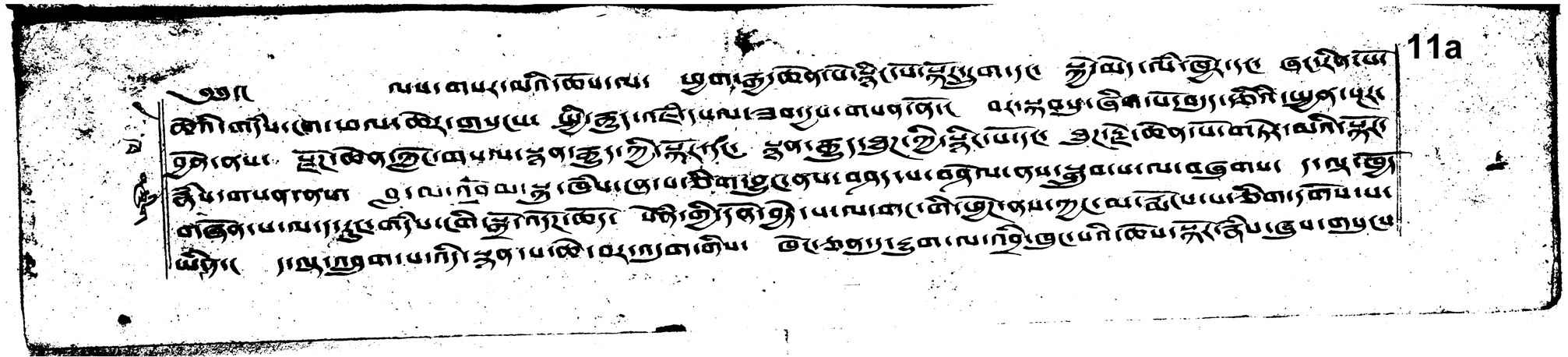

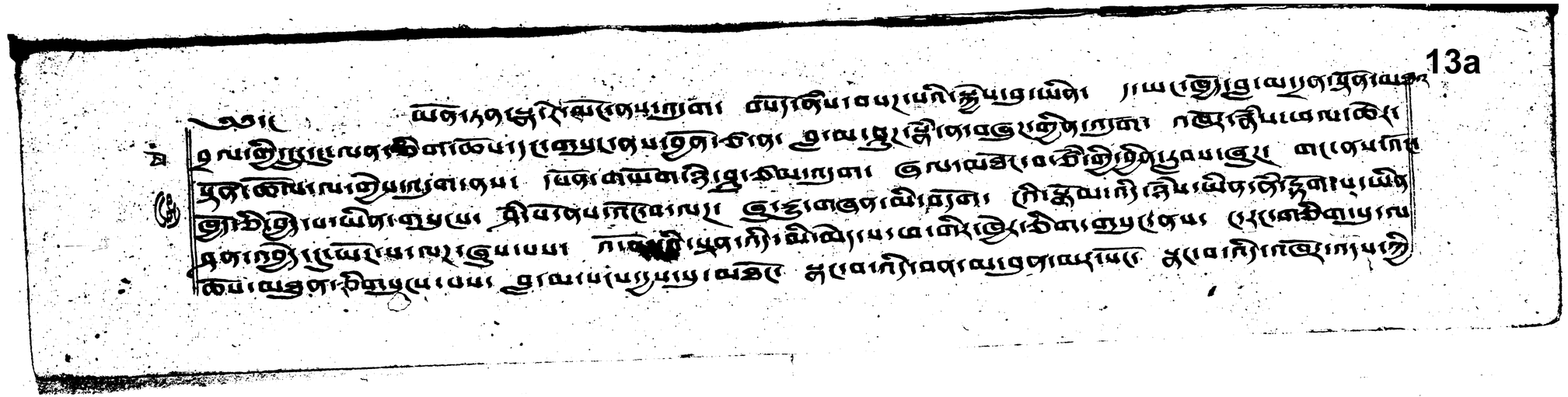

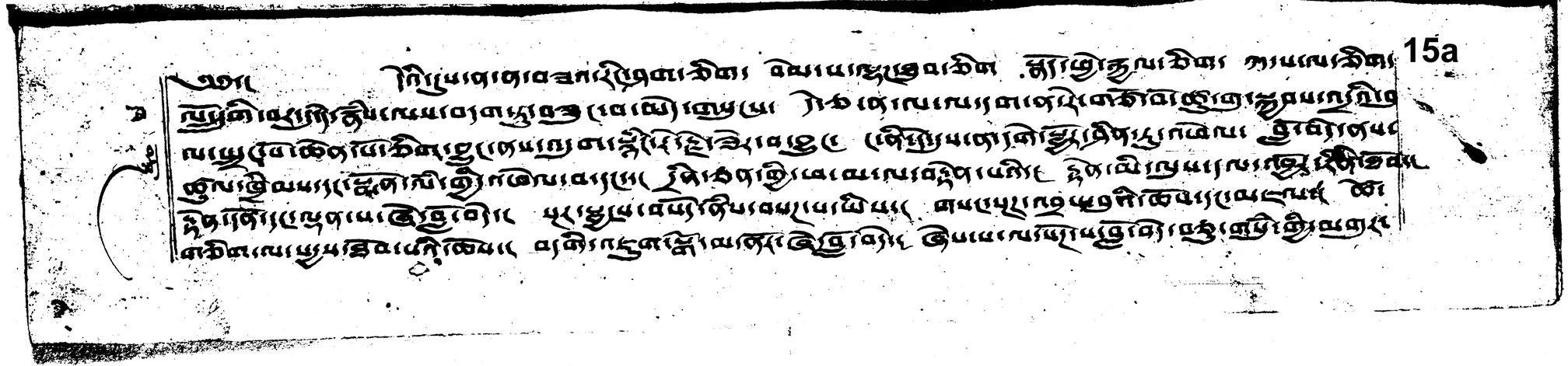

18a

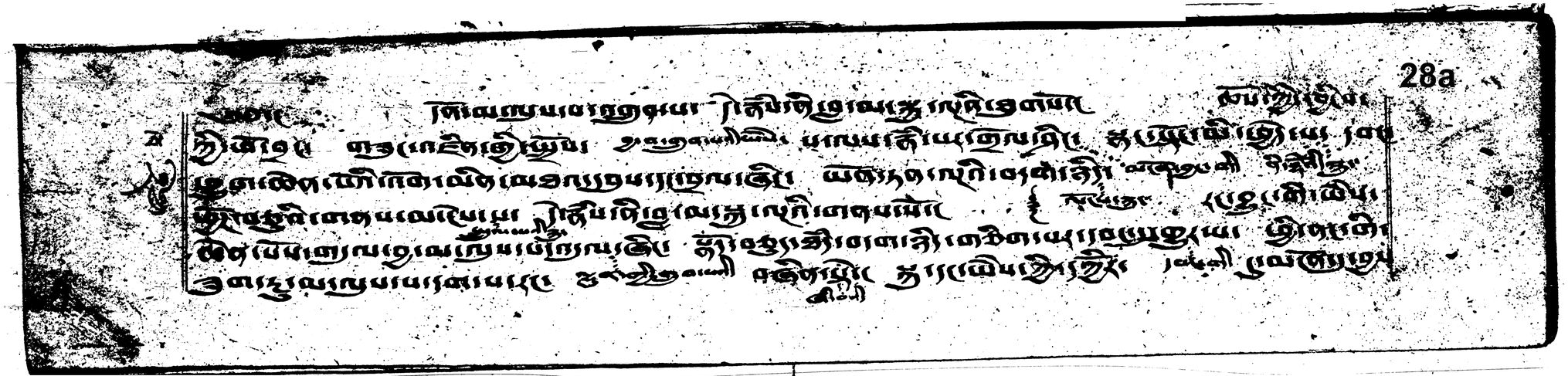

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायवाक्चित्तवज्रप्रकम्पनाय महाबलवेगवज्रधराय वज्रपाणये वज्रहेतवे वज्रहस्ताय वज्रतुण्डाय वज्रनखाय वज्रदंष्ट्राय वज्रजिह्वाय वज्रभृकुटीमुखाय वज्रदण्डाय वज्रतीक्ष्णधाराय वज्रज्वालामालिने वज्रशिखराय वज्रकवचाय वज्रशृङ्खलाबन्धनाय वज्रसर्वाङ्गसन्धिबन्धनकराय महानागकुलोपेताय महाबलपराक्रमाय महोत्साहाय महासाहसाय महादंष्ट्रोत्कटमुखाय भृकुटितटघटितोग्रभीषणाय नवनागसहस्रपरिवाराय नवनागसहस्रपरिवेष्टिताय नवनागसहस्रोपवीताय नवनागसहस्रकेयूराय नवनागसहस्रकुण्डलधराय नवनागसहस्रोत्तरासङ्गाय नवनागसहस्रोत्तरीयाय नवनागसहस्रहाराय नवनागसहस्रमालाधराय नवनागसहस्रमुकुटाय नवनागसहस्रोत्तमाङ्गाय नवनागसहस्रोत्तमाङ्गरत्नाय नवनागसहस्रोत्तमाङ्गरत्नमालाधराय नवनागसहस्रोत्तमाङ्गरत्नमालाभूषणाय नवनागसहस्रोत्तमाङ्गरत्नमालाभूषणविभूषिताय नवनागसहस्रोत्तमाङ्गरत्नमालाभूषणविभूषितशरीराय नवनागसहस्रोत्तमाङ्गरत्नमालाभूषणविभूषितशरीरसर्वाङ्गाय नवनागसहस्रोत्तमाङ्गरत्नमालाभूषणविभूषितशरीरसर्वाङ्गसन्धिबन्धनाय नवनागसहस्रोत्तमाङ्गरत्नमालाभूषणविभूषितशरीरसर्वाङ्गसन्धिबन्धनकराय नवनागसहस्रोत्तमाङ्गरत्नमालाभूषणविभूषितशरीरसर्वाङ्गसन्धिबन्धनकराय महाबलपराक्रमाय महोत्साहाय महासाहसाय महादंष्ट्रोत्कटमुखाय भृकुटितटघटितोग्रभीषणाय

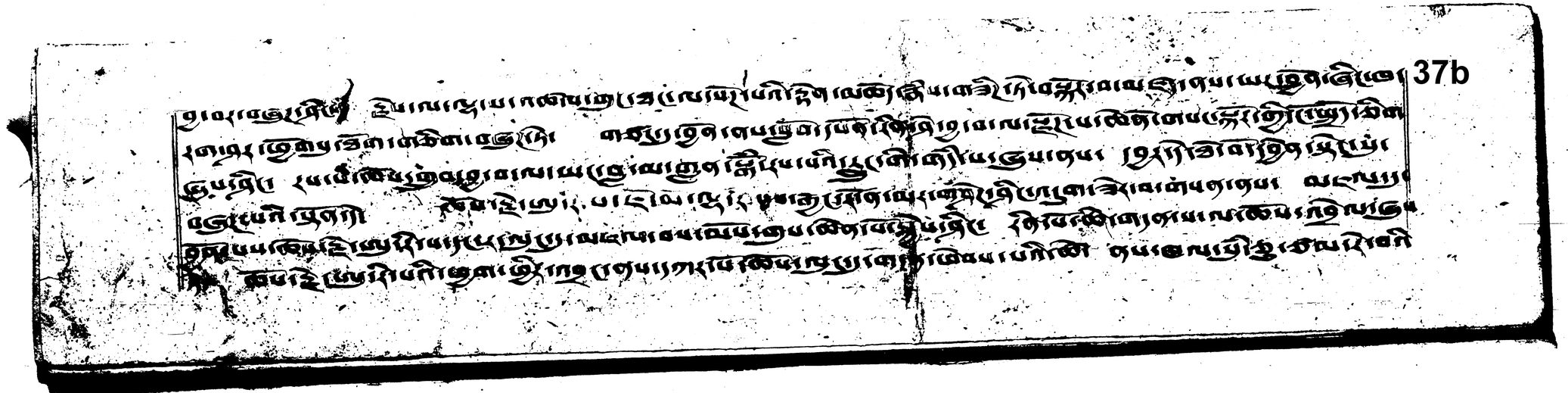

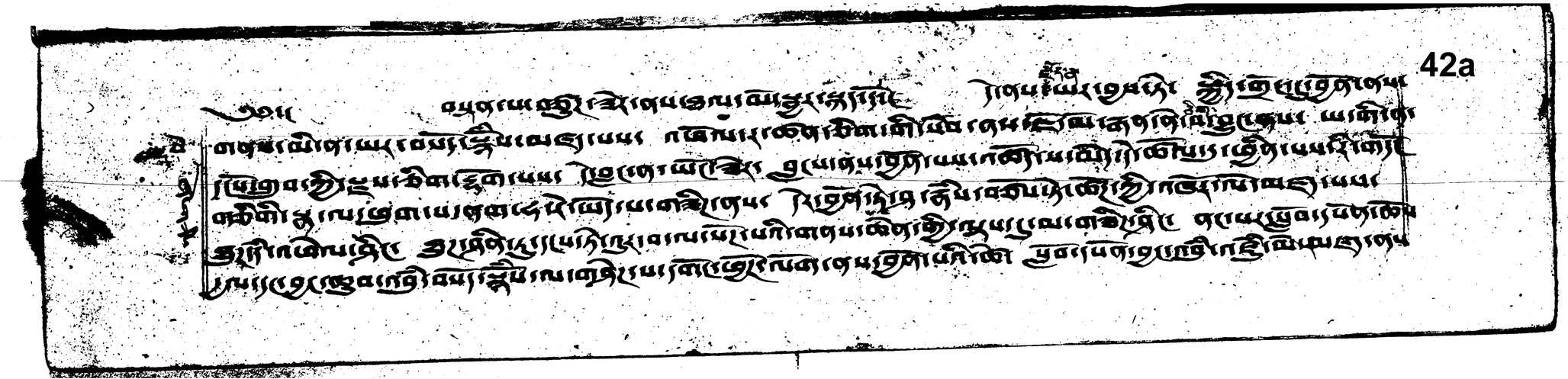

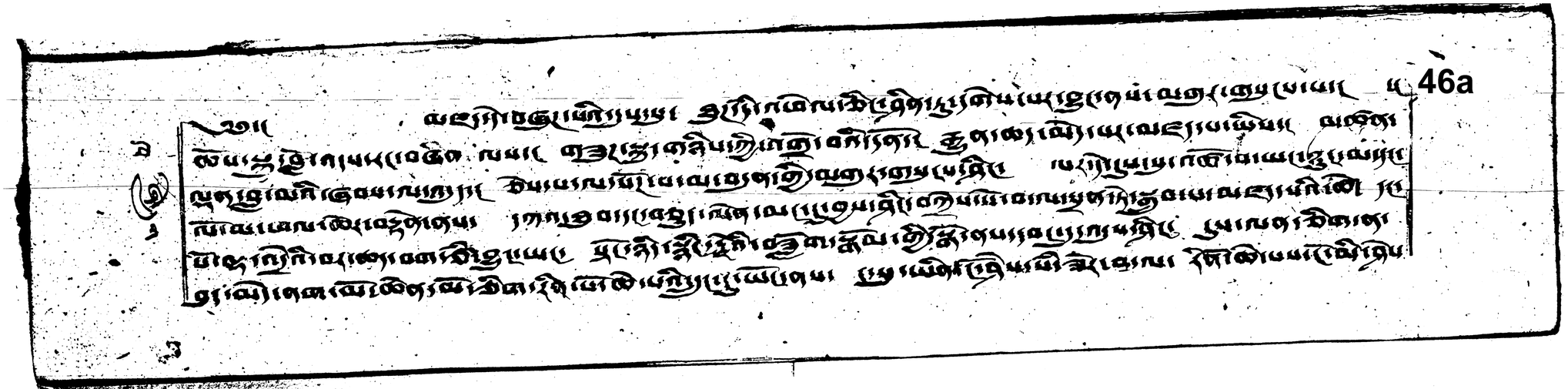

60a

62a

65a

missing 65b/66a

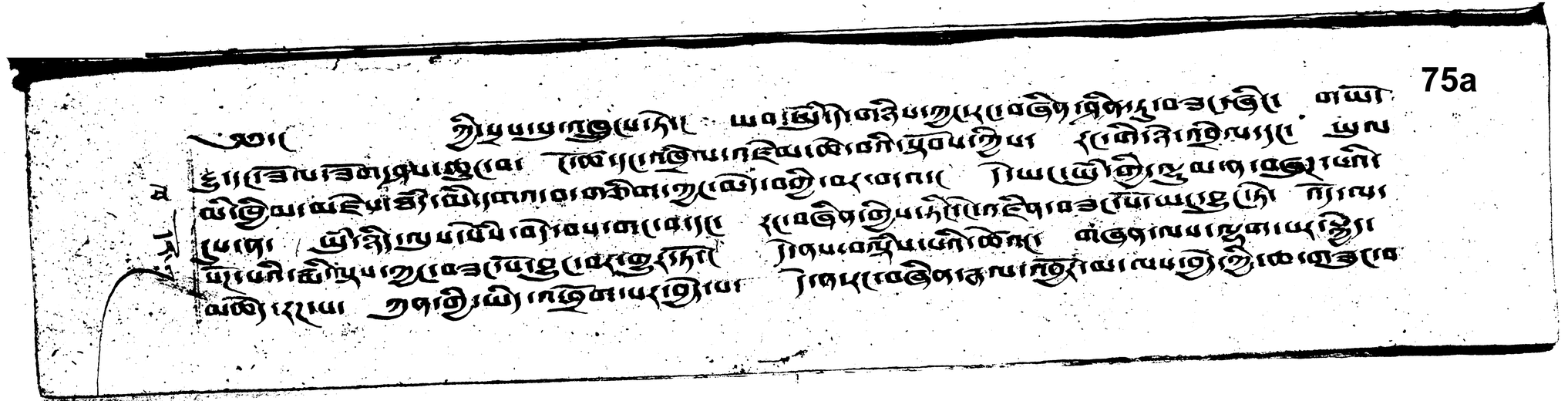

97a

111a

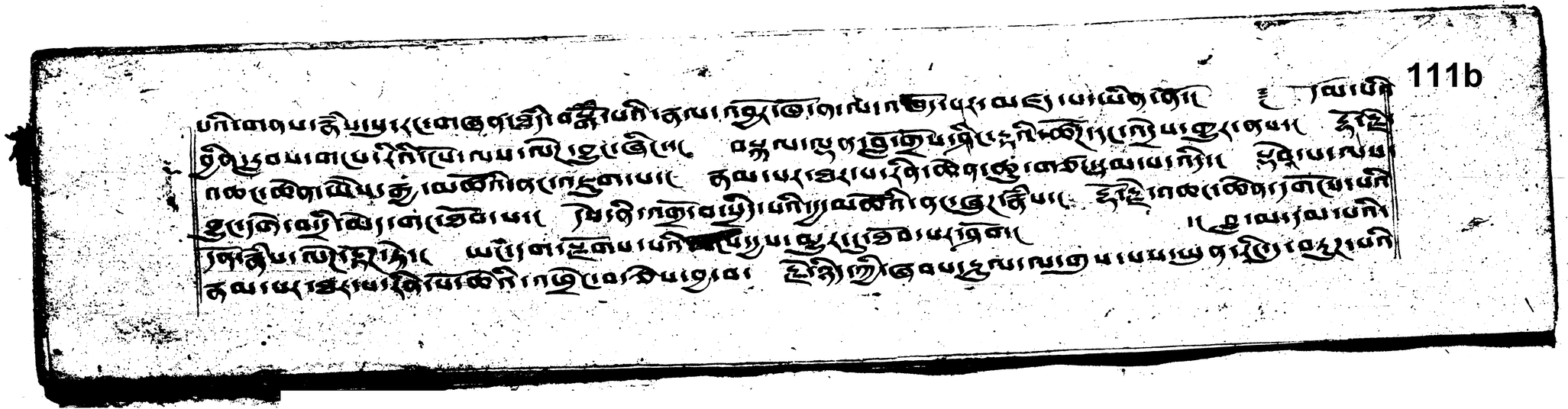

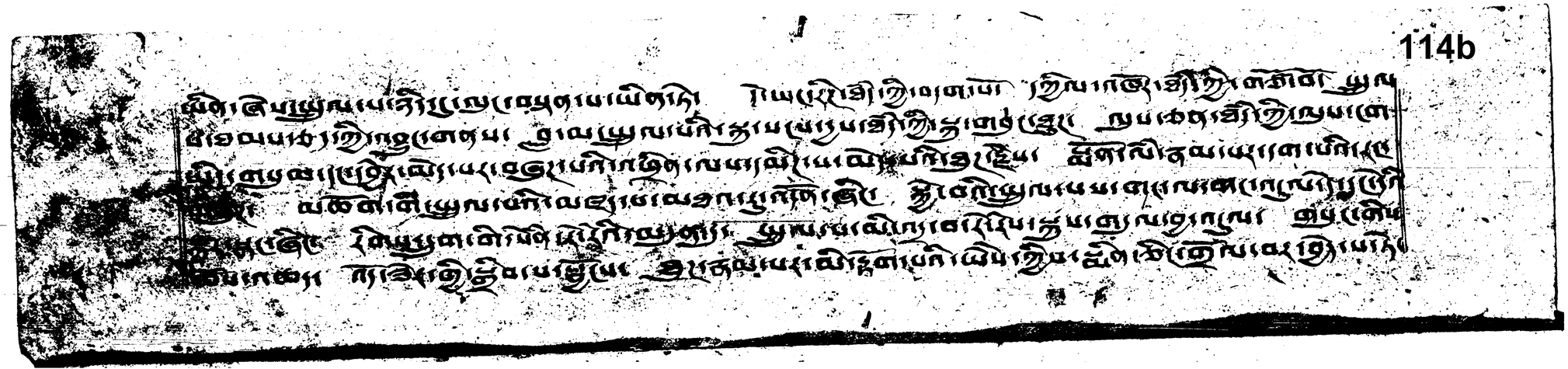

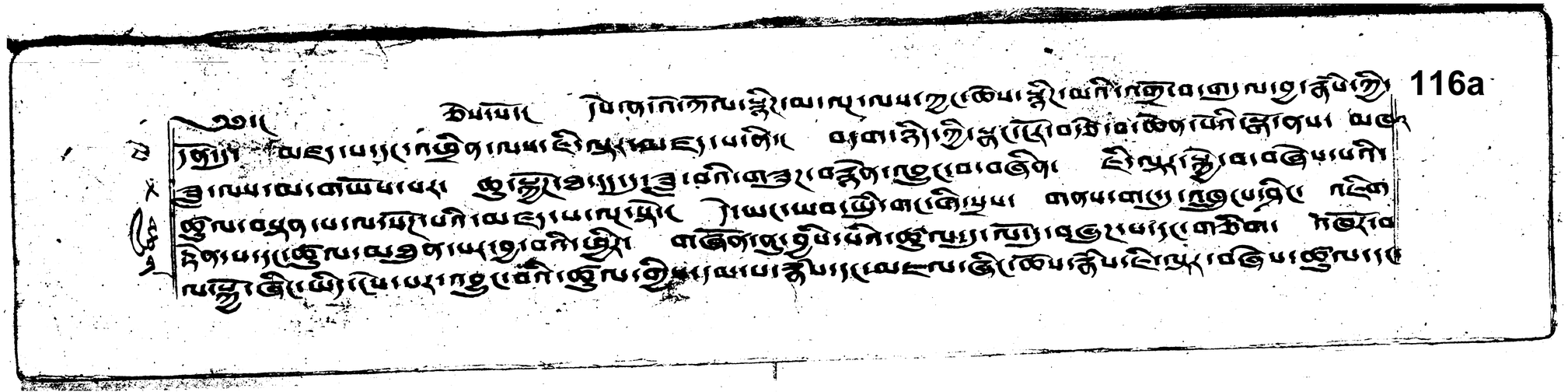

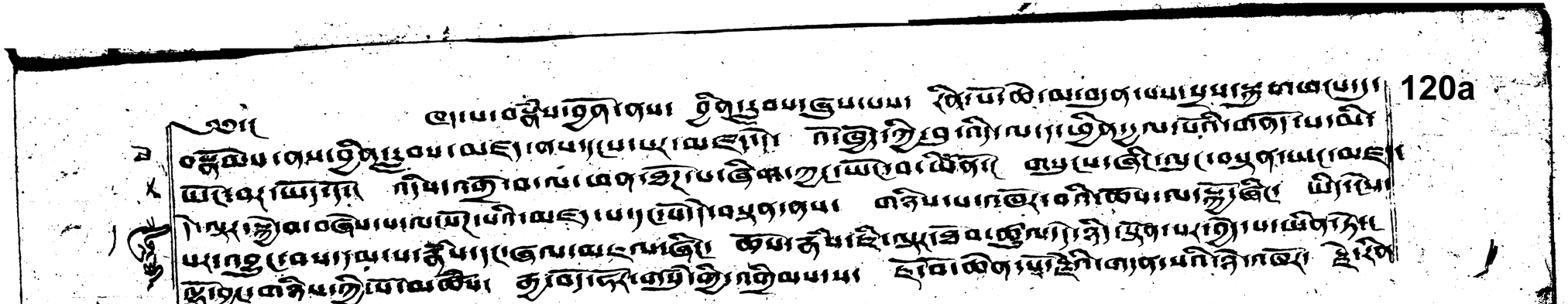

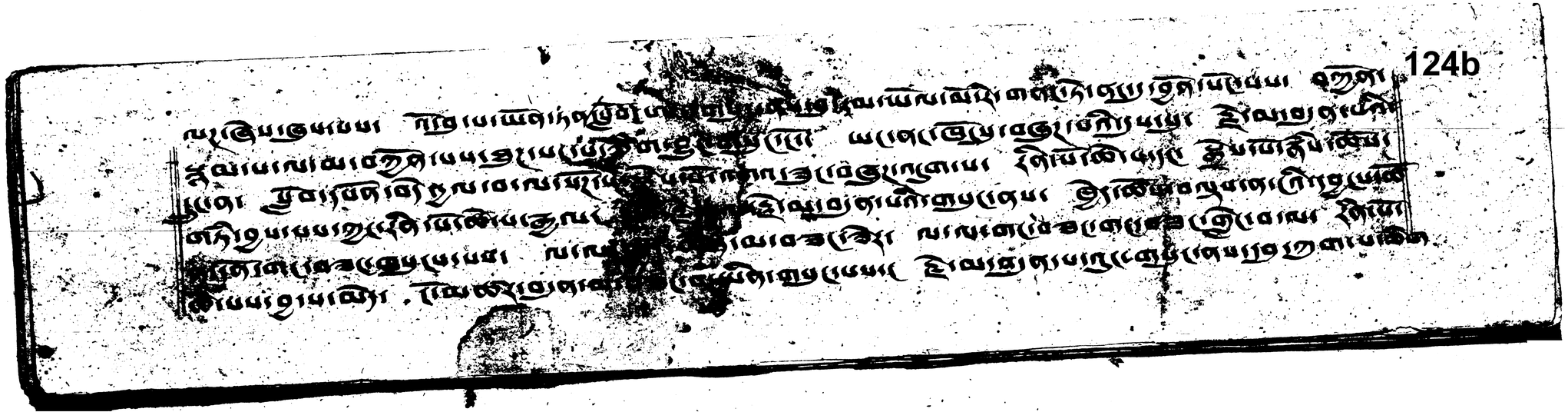

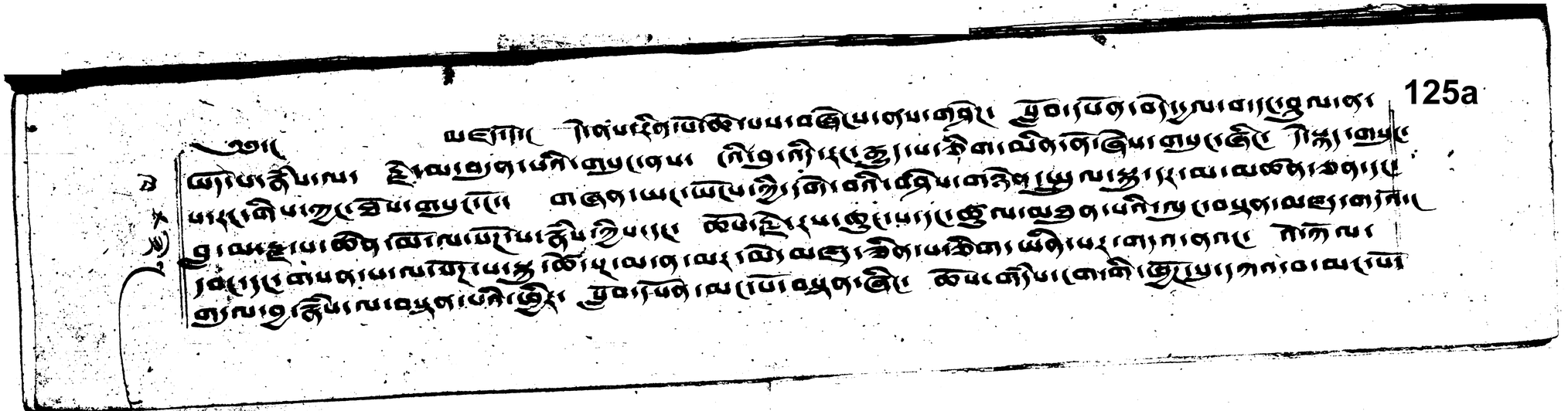

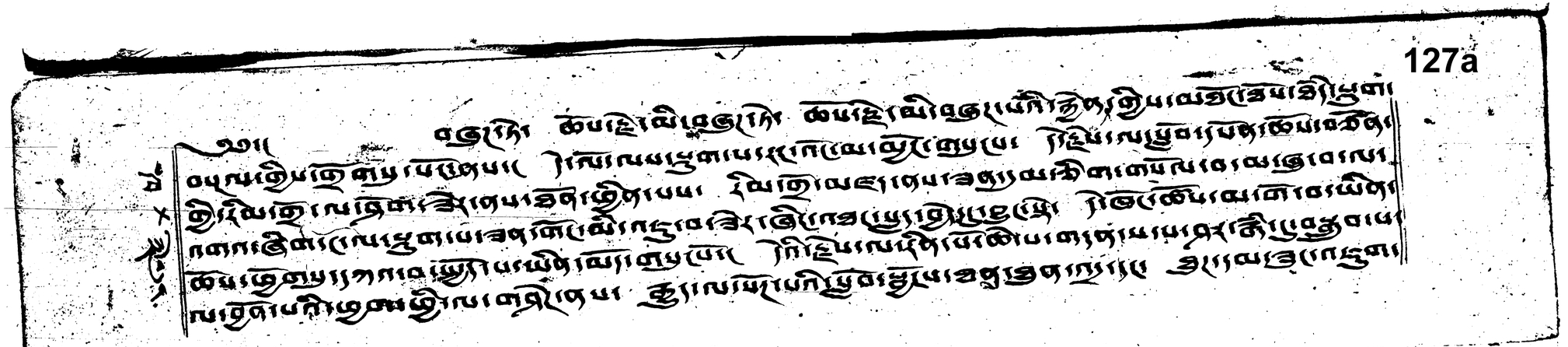

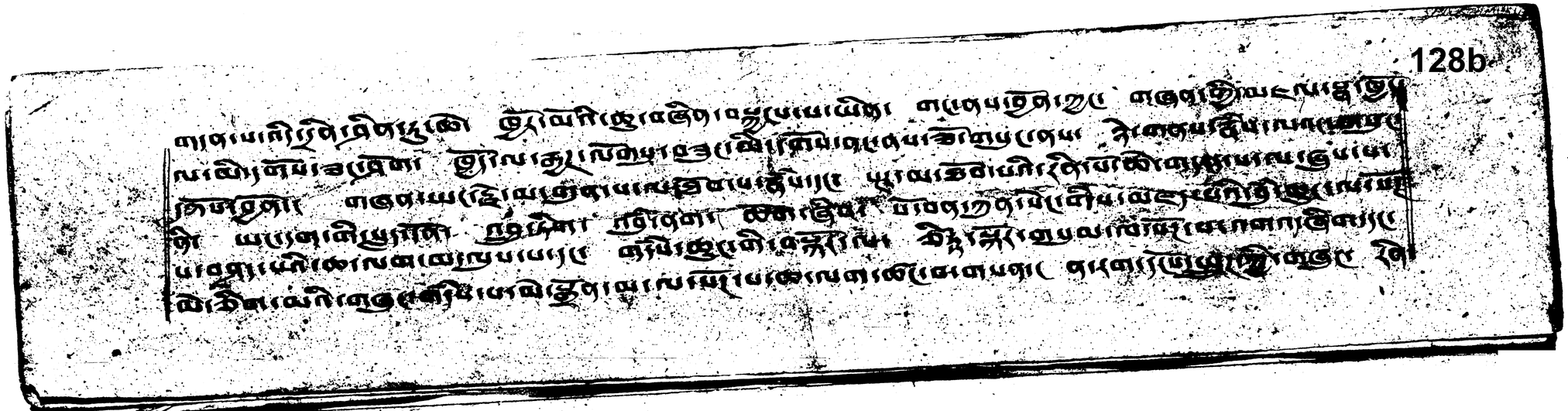

137a

ꣳ ꣳ ꣳ

142a

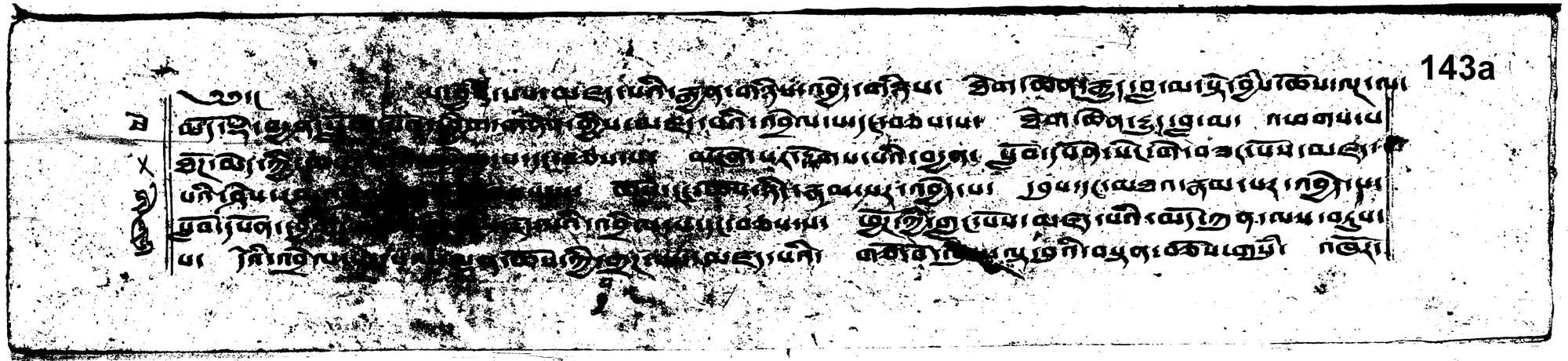

ह्रीं क्रों क्रों यां रां वं षः षः ज्वालामालिनीदेव्यै ह्रीं नमः स्वाहा ॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं द्रावय द्रावय
क्षीरं घृतं मधुं पानकं कुरु कुरु स्वाहा ॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्षोभय क्षोभय
मनो मे कुरु कुरु स्वाहा ॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं आकर्षय आकर्षय
मम वशं कुरु कुरु स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते अमोघाय अमोघसिद्धाय अमोघवीर्याय
ह्रीं श्रीं हन हन दह दह पच पच सर्वदुष्टग्रहान् सर्वदुष्टान् विद्यां नाशय नाशय ह्रीं
फुरु फुरु मन्त्रपदं स्फुर स्फुर सिद्धिं कुरु कुरु सर्वकर्माणि साधय साधय स्वाहा ॥

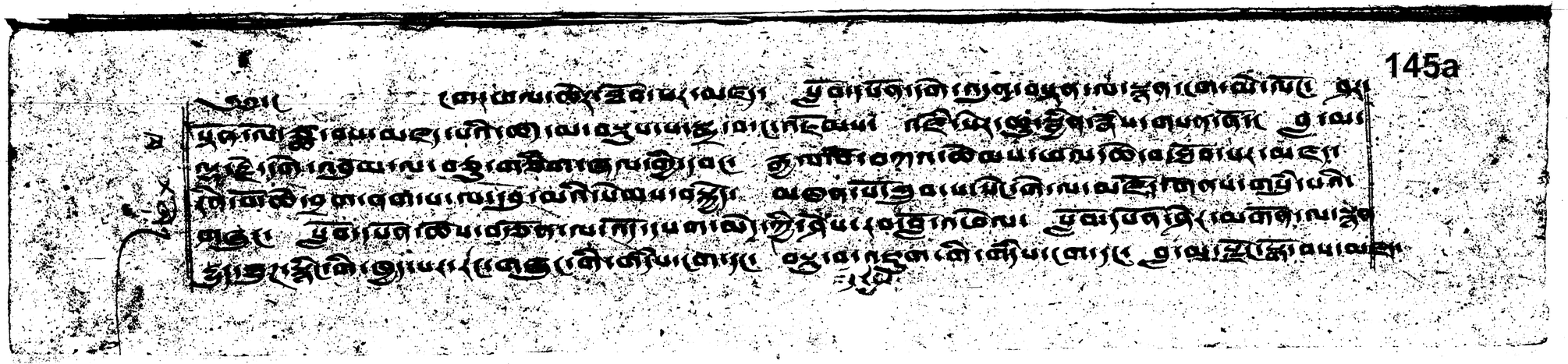

150a

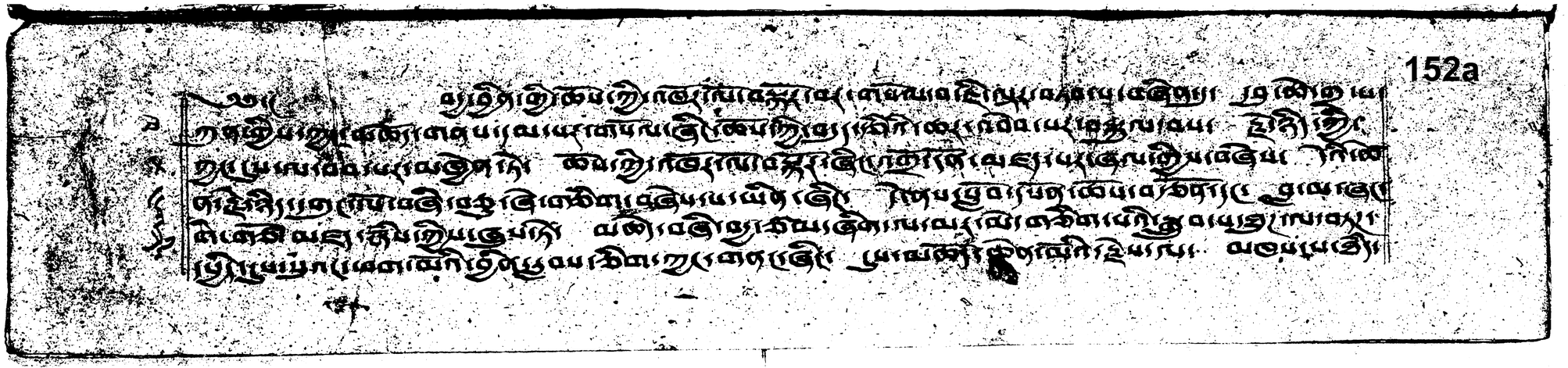

153a

157b

158b

160a

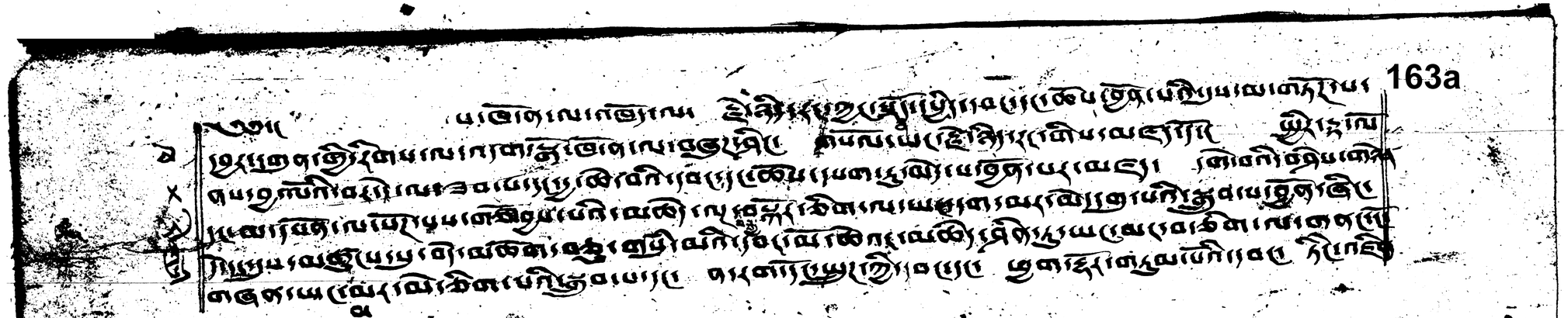

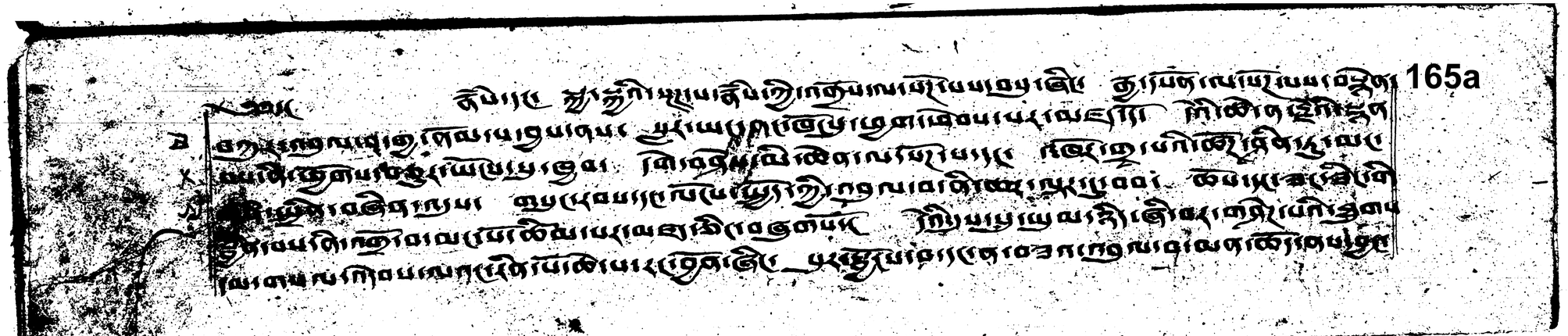

176b

179b

190a

192b

194a

197a

198a

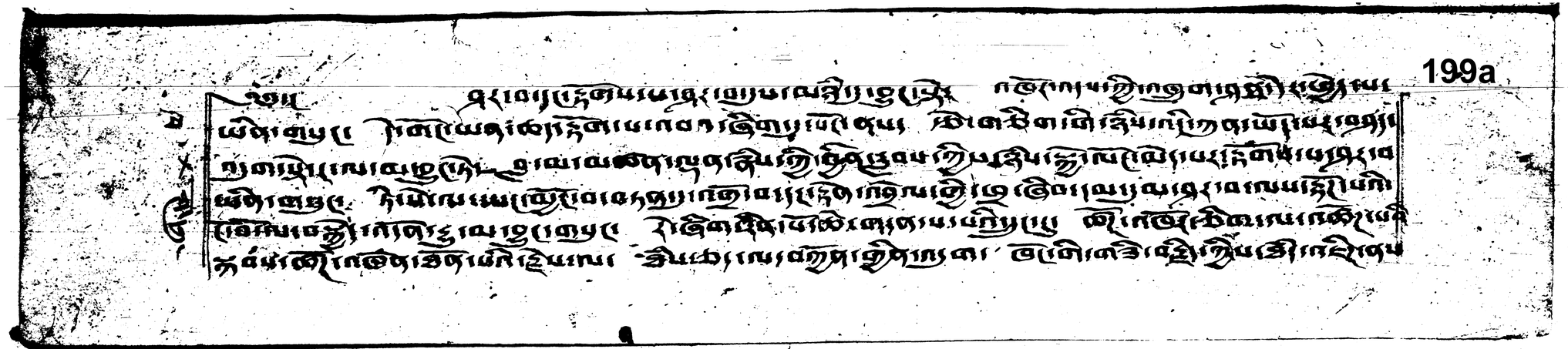

205a

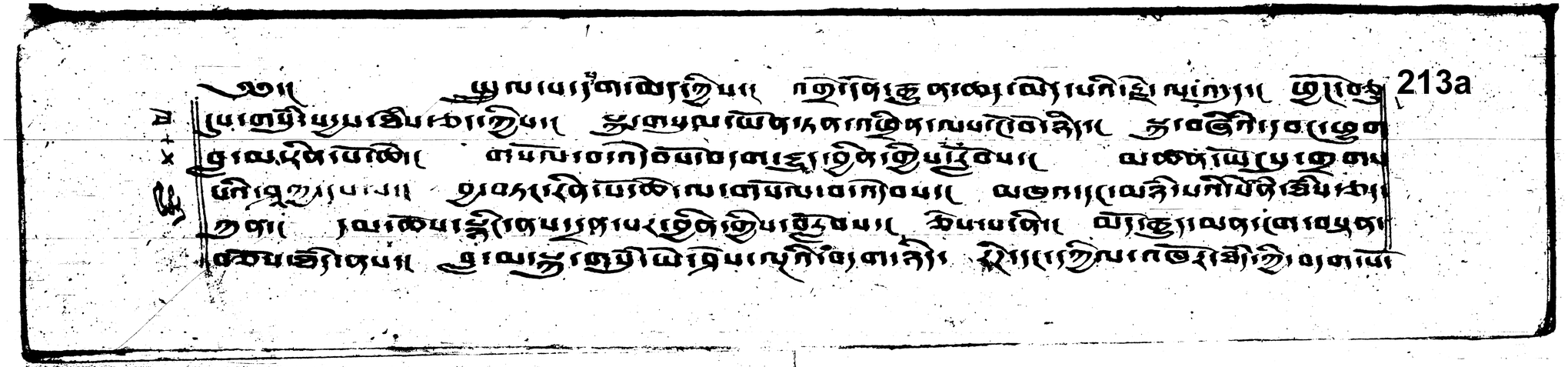

227a

missing 229b/230a

240b

250a

ནེ་ཏེ་ཤེས་པ། ཏྱ་ནཻ་ཏེ་ཡི་ཤེ་ཏེ་ཤེ་ཏེ་ཤེ་ཏེ། ཡི་དྷ་ཀ× ཏྲུ་པ་པ་ལ་ཏྲ་ཤེ་ཏེ་ཤེ་ཏེ་ཤེ་ཏེ

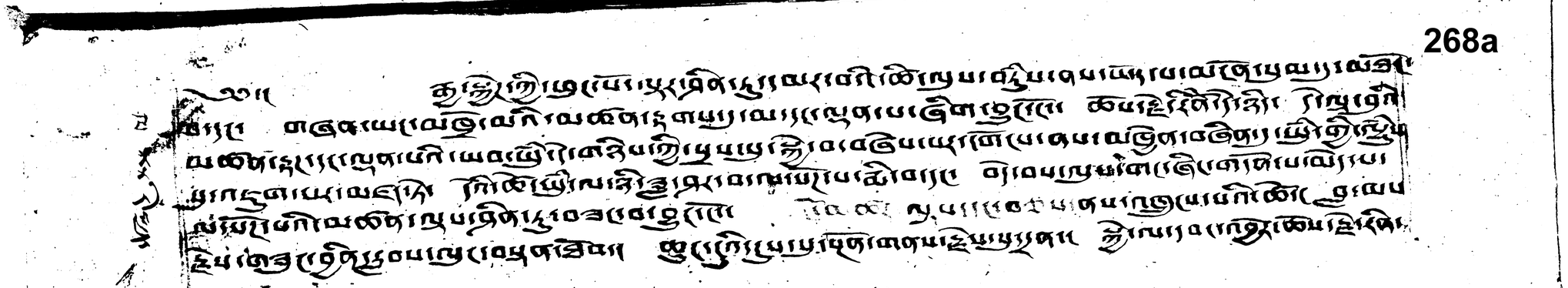

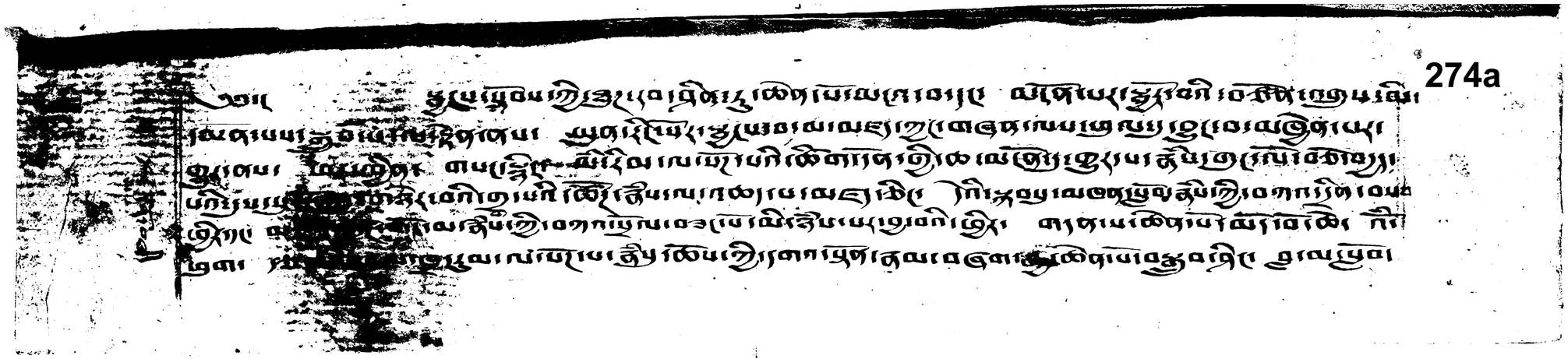

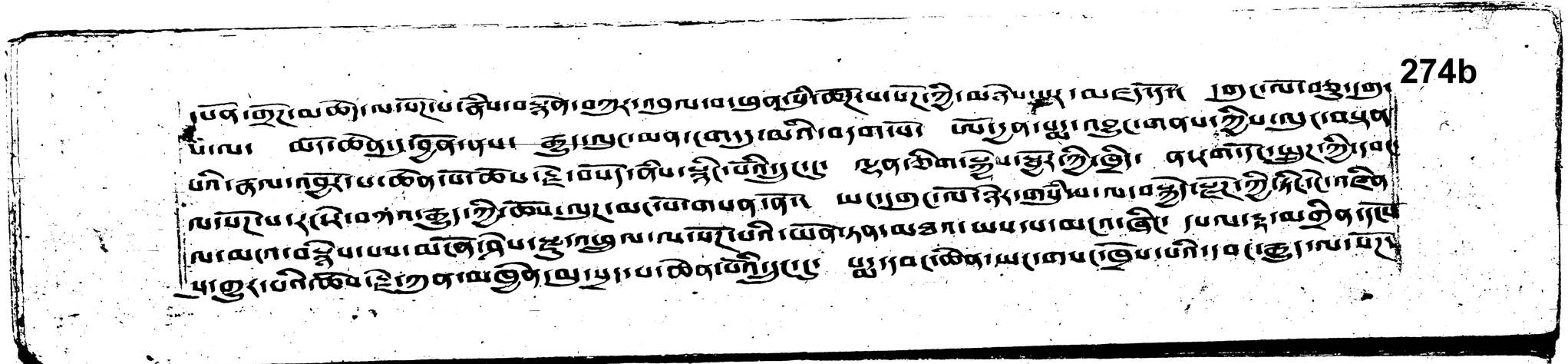

पुण्यावल्यभिधायाश्चैत्यप्रतिष्ठोपलक्षितायाः श्रीमल्लदेवविनिर्मितायाः
प्रशस्तयः ॥ तत्रादौ हरिवंशप्रभवाभिधानपुरुषपरंपरायां श्रीमदुरुदेव
प्रतापसंतापितवैरिवर्गसमुपजातप्रशस्तिः श्रीमान्महीपालः ततो
भूपालकुलप्रदीपः श्रीदेवपालः तस्मादुदयादिव प्रभाकरः प्रतापवान्
श्रीमदुदयादित्यः तस्मादुदयसिंहः तस्मादुदयवर्मा तस्मादुदयादित्यः
श्रीमान्नरवर्मा तस्मादुदयवर्मा तस्मादुदयादित्यः श्रीमान्नरसिंहः
श्रीमान्नरवर्मा तस्मादुदयवर्मा तस्मादुदयादित्यः श्रीमान्नरसिंहः
श्रीमान्नरवर्मा तस्मादुदयवर्मा तस्मादुदयादित्यः श्रीमान्नरसिंहः

ದೀಪ್ತಾಭಿಧಾನಮಜಿಹ್ಮಾಗತಿವಾಯೋಸ್ತುಪಾಪಾಯಾಸ್ತುತಾಪಾ ಸಾಧ್ಯಾಪಾಪ್ತೇಯೀನಿರ್ಮ್ಮಲೇ ತತ್ಪೀನಾಪ್ತೀಕಲ್ಪಾಕ್ಷೀ
ವಜೀಕಲ್ಪಾಕ್ಷೀಣಾಂಪ್ರಲ್ಪಲ್ಪಾಪಾಪಾಪಾಪಾಪಾ ತ್ರೈಪಾಪಾಪಾಪಾಪ್ತೀಪ್ತಾಪಾ ತ್ರೈಪಾ ತ್ರೈಪಾಪಾಪಾಪ್ತೀಪ್ತಾ ತ್ರೈ
ಪ್ತೈಪಾ ಪಪ್ತೀಪಾಪಾಪಾಪ್ತೀಪಾಪ್ತೀ ತ್ರೈಪಾಪಾಪಾಪ್ತೀಪಾಪ್ತೀ ಸೀಪ್ತೀಪ್ತೀಪಾಪ್ತೀಪಾಪ್ತೀಪಾಪ್ತೀಪಾಪಾಪಾಪಾ
ಪಾಪಾಪಾಪಾಪ್ತೀಪ್ತೀಪಾಪಾಪ್ತೀಪಾಪಾಪಾಪಾಪಾಪಾ

ತಿಲ್ಲಕ್ಕಳಲಾಯಹಿಗಳಿಲ್ಲಿಯಾಲಯಲಾಲಯಾಲಯಾಲಯ

283b

289A

290B

29.1B

293B

299A

ಬ್ರಾಹ್ಮಿಲಿಪಿಯಲ್ಲಿ ಮೂರು ಪ್ರಾಕೃತ ಪದ್ಯಗಳಿವೆ. ಮೊದಲ ಪದ್ಯವು ಅನುಷ್ಟುಪ್ ಛಂದಸ್ಸಿನಲ್ಲಿಯೂ ಎರಡನೆಯ ಪದ್ಯವು ಆರ್ಯಾ ಛಂದಸ್ಸಿನಲ್ಲಿಯೂ ಮೂರನೆಯ ಪದ್ಯವು ಗೀತಿ ಛಂದಸ್ಸಿನಲ್ಲಿಯೂ ಇವೆ. ಇವುಗಳಲ್ಲಿ ಮೊದಲ ಪದ್ಯವು ಕಾಲಿದಾಸನ ಶಾಕುಂತಲ ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಬರುವ ಪದ್ಯವಾಗಿದೆ. ಎರಡನೆಯ ಪದ್ಯವು ಕಾಲಿದಾಸನ ವಿಕ್ರಮೋರ್ವಶೀಯ ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಬರುವ ಪದ್ಯವಾಗಿದೆ. ಮೂರನೆಯ ಪದ್ಯವು ಕಾಲಿದಾಸನ ಮಾಲವಿಕಾಗ್ನಿಮಿತ್ರ ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಬರುವ ಪದ್ಯವಾಗಿದೆ. ಈ ಮೂರು ಪದ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ಕಾಲಿದಾಸನ ಹೆಸರು ಇಲ್ಲದಿದ್ದರೂ ಈ ಪದ್ಯಗಳು ಕಾಲಿದಾಸನ ನಾಟಕಗಳಲ್ಲಿ ಬರುವ ಪದ್ಯಗಳಾಗಿರುವುದರಿಂದ ಈ ಶಾಸನವು ಕಾಲಿದಾಸನ ಕಾಲದ್ದಾಗಿದೆ ಎಂದು ಹೇಳಬಹುದಾಗಿದೆ.

ಈ ಶಾಸನವು ಕ್ರಿ.ಶ. ಸುಮಾರು ೪೫೦ ರಲ್ಲಿ ಬರೆಯಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ. ಈ ಶಾಸನವು ಕಾಲಿದಾಸನ ಕಾಲದ್ದಾಗಿದೆ ಎಂದು ಹೇಳಬಹುದಾಗಿದೆ.

ཀུ་ཤ་ཀ་ཀ་ཀ

302#BISB

320B

ಯಾಯಾಯಾ

ॐ॥ नमो ऽस्तु भगवते वासुदेवाय नमः
पुरा वैकुण्ठकथायां पुरुषेण परेण किल प्रोक्तम्
पुनर्विधातुकामो दक्षाद्यान्ब्रह्मणो मानसान्पुत्रान्
दक्षभृग्वत्रिमरीचिमुख्यान्नारदमपि चोत्पन्नम्
दृष्ट्वा पितामहोऽयं प्रजाविवृद्धये समादिशत सर्गम्
तेनाभिहितो ऽथ मुनिर्नारायणपरायणः प्रजासर्गम्
सृष्ट्वा तदीयसर्गाननुगतवान्हंसगुह्यमुपदेष्टुम्
तान्प्रति भगवान्नारायणो ऽन्तर्हितो बभूवाशु

332B